देहरादून,पौड़ी-गढ़वाल व अल्मोड़ा से प्रकाशित | www.page3news.in | नगर संस्करण वर्ष 17 अंक: 53 पृष्ठ : 8 मूल्य: एक रूपए

विचार-प्रवाह...खाट खड़ी हो गई

पेज थ्री

देहरादून, शुक्रवार, 27 मई 2022

मौसम अधिकतम 29.0° न्यूनतम 17.0°

40243.38

2 बाइडन की धमकी से बौखलाया चीन

7 कोहली भी हुए रजत पाटीदार के मुरीद

मुझे विज्ञान पर भरोसा है: पीएम

अंधविश्वास को लेकर प्रधानमंत्री मोदी का केसीआर पर निशाना

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

हैदराबाद। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद में आयोजित रैली में परिवारवाद और केसीआर पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने सीएम के. चंद्रशेखर राव के अंधविश्वास को लेकर तंज किया और कहा कि मुझे विज्ञान पर भरोसा है, इसी तरह यूपी के संत सीएम योगी आदित्यनाथ को भी है।

पीएम ने कहा कि परिवारवादी दल एक राजनीतिक समस्या ही नहीं बल्कि लोकतंत्र और देश के युवाओं के सबसे बड़े दुश्मन हैं। इशारों में तेलंगाना में सत्तारूढ़ टीआरएस सरकार पर निशाना साधते हुए पीएम ने कहा कि जहां जहां परिवारवादी पार्टियां हटी हैं, वहां वहां विकास के रास्ते भी खुले हैं। परिवारवाद के खिलाफ अब इस अभियान को आगे बढ़ने की जिम्मेदारी तेलंगाना के मेरे भाइयों-बहनों की है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना के लोग देख रहे हैं कि जब एक परिवार को समर्पित पार्टियां जब सत्ता में आती हैं, तो कैसे उस परिवार के सदस्य भ्रष्टाचार का सबसे बड़ा चेहरा बन जाते हैं। तेलंगाना के लोग देख रहे हैं कि परिवारवादी पार्टियां सिर्फ अपना विकास करती हैं, अपने परिवार के लोगों की तिजोरियां भरती है।

चेन्नई को दी 31000 करोड़ रुपये से अधिक की सौगात

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार शाम चेन्नई पहुंचे। प्रधानमंत्री ने यहां जवाहरलाल नेहरू इंडोर स्टेडियम में 31,000 करोड़ रुपये से अधिक की लागत के विकास कार्यों का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया। इन परियोजनाओं में रेलवे, पेट्रोलियम, आवास और सड़कों जैसे प्रमुख बुनियादी क्षेत्र शामिल हैं। इन कार्यों से वाणिज्य और कनेक्टिविटी को बढ़ावा मिलेगा।

परिवारवाद के लिए नहीं चला था तेलंगाना आंदोलन

पीएम ने कहा कि दशकों तक चले तेलंगाना आंदोलन में हजारों लोगों ने अपना बलिदान दिया था। ये बलिदान तेलंगाना के भविष्य के लिए था। ये बलिदान, तेलंगाना की आन-बान-शान के लिए था। तेलंगाना आंदोलन इसलिए नहीं चला था कि कोई एक परिवार तेलंगाना के विकास के सपनों को लगातार कुचलता रहे। प्रधानमंत्री ने कहा कि परिवारवाद की वजह से देश के युवाओं को, देश की प्रतिभाओं को राजनीति में आने का अवसर भी नहीं मिलता। परिवारवाद उनके हर सपनों को कुचलता है, उनके लिए हर दरवाजा बंद करता है।

तेलंगाना में अब भाजपा तय: प्रधानमंत्री ने भाजपा की रैली को संबोधित करते हुए कहा कि पिछले दिनों अलग-अलग चुनावों में भाजपा की जीत इस बात का स्पष्ट संकेत है कि तेलंगाना में अब लोगों ने मन बना लिया है। तेलंगाना में अब अब बदलाव पक्का है। तेलंगाना में अब भाजपा तय है। भाजपा ने पिछले 8 सालों में सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मंत्र के साथ देश की निरंतर सेवा की है। गरीब, पिछड़ा, दलित, आदिवासी, हमारी माताएं बहनें, हमारे अंत्योदय के सारे साथी, उनका उत्कर्ष भाजपा की आस्था है।

पीएम मोदी ने कहा कि 21वीं सदी का नया भारत 'आत्मनिर्भर भारत' और 'मेक इन इंडिया' के सपनों को लेकर आगे बढ़ रहा है। हमारे स्टार्टअप्स आज पूरी दुनिया में अपनी छाप छोड़ रहे हैं। आज हम दुनिया के तीसरे सबसे बड़े स्टार्टअप इकोसिस्टम हैं। अभी कुछ दिन पहले ही, भारत का सौवां यूनिकॉर्न हमारे सामने आया है।

योगी को दी बधाई

आज के इस युग में ये अंधविश्वासी लोग तेलंगाना के सामर्थ्य के साथ कभी न्याय नहीं कर सकते। पीएम ने कहा, मैं तेलंगाना की इस धरती से उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री श्रीमान योगी आदित्यनाथ जी को भी बधाई देता हूं। उनको किसी ने कहा कि फलां जगह पर नहीं जाना चाहिए, लेकिन योगी जी ने कहा कि मैं विज्ञान पर विश्वास करता हूं और वो चले गए। आज वो दोबारा मुख्यमंत्री बने हैं। अंधविश्वास को बढ़ावा देने वाले लोगों से हमें तेलंगाना को भी बचाना है। 2016 में सीएम बनने के बाद केसीआर ने 50 करोड़ रुपये की लागत से नए बंगले का निर्माण कराया था। यह पांच मंजिला होकर छह अलग-अलग खंडों से युक्त है। उनकी मान्यता है कि शासक को ऐसे स्थान से कार्य करना चाहिए जो दूसरों की तुलना में अधिक ऊंचाई पर हो।

संक्षिप्त समाचार

कांग्रेस सांसद कार्ति चिदंबरम को बड़ी राहत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। सीबीआई की विशेष अदालत ने चीनी वीजा मामले में प्रवर्तन निदेशालय द्वारा दर्ज एक मामले में कांग्रेस सांसद कार्ति चिदंबरम को गिरफ्तारी से अंतरिम राहत दी है। कोर्ट ने 30 मई तक ये अंतरिम सुरक्षा प्रदान की है। कांग्रेस नेता पर 263 चीनी नागरिकों को वीजा दिलाने के लिए घोटाला करने का आरोप है। यह कथित घोटाला तब हुआ, जब उनके पिता पी चिदंबरम गृह मंत्री थे।

देश में फिर बढ़े कोरोना के मामले

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। देश में कोरोना के मामलों में बढ़ोतरी हुई है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि बीते 24 घंटे में कोरोना संक्रमण के 2,628 नए मामले सामने आए हैं। बुधवार के मुकाबले गुरुवार कोरोना के मामलों में करीब 24 फीसद का इजाफा हुआ है। बुधवार को कोरोना के 2,214 मामले मिले थे।

मौसम के तल्ख तेवर ने बढ़ाई काश्तकारों की चिंता

सप्ताह के भीतर शासन को भेजी जाएगी रिपोर्ट

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

देहरादून। उत्तराखंड में पिछले कुछ दिनों से मौसम का मिजाज बदला हुआ है। बारिश के कारण तापमान में कमी आने से गर्मी से राहत मिली है। लेकिन, मौसम के तल्ख तेवर काश्तकारों की चिंता बढ़ा रहे हैं। खेतों फिलहाल गन्ने की नई फसल है, जिसे अंधड़ से नुकसान पहुंच रहा है। जबकि, आंधी और ओलावृष्टि से आम-लीची समेत अन्य मौसमी फलों को क्षति पहुंची है।

कुछ जगह गेहूं की खड़ी फसल और सब्जियां भी खराब: उत्तराखंड में मौसम की तल्खी बढ़ गई है। ओलावृष्टि और आंधी से आम-लीची, सेब-आडू समेत अन्य फलों को खासा नुकसान पहुंचा है। वहीं, कुछ जगह गेहूं की खड़ी फसल और सब्जियां भी खराब हुई हैं। इन दिनों प्रदेश के ज्यादातर मैदानी

इलाकों में आम और लीची के फल लगे हुए हैं। जबकि, आडू, नींबू, नाशपाती, आलूबुखारा, खुबानी आदि फलों के लगने का भी सिलसिला शुरू हो गया है, लेकिन यह सभी फल अभी शुरुआती अवस्था में हैं। ऐसे में तेज हवा और ओलावृष्टि फलों के लिए काल साबित हो रही है। इसके अलावा सेब के पेड़ों को भी नुकसान पहुंचा है। यही नहीं प्रदेश में अब भी कई जगह गेहूं की कटाई नहीं हुई है, जिससे आंधी के कारण खेतों में खड़ी फसल को नुकसान पहुंचा है।

कृषि एवं उद्यान विभाग की ओर से विभिन्न क्षेत्रों में मौसम से हुए नुकसान का आकलन शुरू कर दिया है। उद्यान निदेशक एचएस बवेजा ने बताया कि प्रदेश में फलों को मौसम के कारण हुए नुकसान का आकलन किया जा रहा है। काश्तकारों से भी संपर्क साधा जा रहा है। उद्यान और कृषि विभाग की ओर से फसलों को हुए नुकसान का आकलन किया जा रहा है। अगले एक सप्ताह के भीतर रिपोर्ट तैयार कर शासन को भेजी जा सकती है।

राज्यपाल की जगह विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति होंगी मुख्यमंत्री

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

कोलकाता। राज्यपाल जगदीप धनखड़ और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के बीच का विवाद किसी से छिपा नहीं है। धनखड़ आए दिन ममता सरकार पर राज्यपाल की शक्तियों का हनन करने, उनके फैसलों को नजरंदाज करने और आदेशों की अवहेलना का आरोप लगाते रहते हैं। अब ममता मंत्रिमंडल ने उनके खिलाफ एक और बड़ा फैसला किया है। बंगाल के सरकारी विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति अब राज्यपाल की जगह मुख्यमंत्री ममता बनर्जी होंगी। इसके फलस्वरूप राज्यपाल का सरकारी विश्वविद्यालयों पर किसी तरह का नियंत्रण नहीं रहेगा। ममता सरकार इसे लेकर विधानसभा में बिल लाने की तैयारी कर रही है।

सूत्रों ने बताया कि राज्यपाल अगर इस बिल को मंजूरी नहीं देंगे तो इस बाबत अध्यादेश लाया जाएगा। शिक्षा मंत्री ब्रात्य बसु ने गुरुवार को कहा कि राज्यपाल की जगह मुख्यमंत्री को राज्य के सरकारी विश्वविद्यालयों का कुलाधिपति बनाने के लिए जल्द विधानसभा में बिल पेश किया जाएगा। राज्य मंत्रिमंडल ने इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। गौरतलब है कि बंगाल के 24 विश्वविद्यालयों में कुलपतियों की नियुक्ति को लेकर राज्यपाल ने आरोप लगाया था कि उनकी यानी कुलाधिपति की मंजूरी के बिना और आदेशों की अवहेलना करते हुए ऐसा किया गया। जल्द ही इन्हें वापस नहीं लिया गया तो मजबूरन कार्रवाई की जाएगी। वहीं इससे पहले राजभवन में राज्यपाल की ओर से बुलाई गई बैठक में निजी विश्वविद्यालयों के कुलपतियों के शरीक नहीं होने को लेकर भी विवाद हुआ था। विरोधी दलों ने इसे लेकर ममता सरकार पर निशाना साधा है। बंगाल भाजपा के प्रवक्ता शमिक भट्टाचार्य ने कहा कि राज्य सरकार मनमानी कर रही है।

फैसला

- ममता मंत्रिमंडल का राज्यपाल के खिलाफ एक और बड़ा फैसला

Are you Planning to make a Website or already have ?

If yes, then we are here to serve you

What we do

Website Development
All type of Websites E-Commerce, Hotel Booking, Travel, Bus Ticket Booking, News Portal, Blogs, or as per client requirement.

Promotion & Branding
1. Website Promotion & Branding in any country (200+ Countries)
2. Social Media
3. Bulk SMS

Search Engine Optimisation
A-2-Z Work to make a Website Search Engine Friendly.
You tell us, we do it.

Contact: Gadoli Media Ventures
Shivam Market, 2nd Floor, Darshan Lal Chowk, Dehra Dun. I Mob: 9319700701, 7579011930
E-Mail: contact@gadoli.in

हाइड्रो पॉवर के क्षेत्र में उत्तराखंड में अनेक संभावनाएं

सीएम ने जर्नी ऑफ टिहरी डैम कार्यक्रम में किया प्रतिभाग

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी एवं केंद्रीय विद्युत, नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री श्री आर.के. सिंह ने टिहरी हाइड्रो डेवलपमेंट कॉरपोरेशन द्वारा आयोजित "जर्नी ऑफ टिहरी डैम" कार्यक्रम में प्रतिभाग किया।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि टीएचडीसी की टिहरी यात्रा कार्यक्रम के प्रारम्भ से पूर्व अतीत की ओर देखें तो जल विद्युत की अपार संभावनाओं वाले इस राज्य में वर्ष 1906-07 से ही लघु जल विद्युत परियोजनाओं की स्थापना होने लगी थी। 1914 में मसूरी के भट्टाफॉल में स्थापित ग्लोगी जल विद्युत परियोजना जो मैसूर के बाद देश का दूसरा और उत्तर भारत का प्रथम विद्युत संयंत्र था। जिसका वर्तमान में पुनः कायाकल्प किया जा रहा है।

केंद्रीय मंत्री आर.के.सिंह ने कहा कि ऊर्जा के क्षेत्र में हाइड्रो पॉवर का महत्व बहुत बढ़ गया। पर्यावरण को स्वच्छ बनाने की मुहिम में क्लीन सोर्सेज ऑफ एनर्जी पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। हाइड्रो पॉवर के क्षेत्र में उत्तराखंड में भी अनेक संभावनाएं हैं।

न्यूज डायरी

पाकिस्तान में बिगड़े हालात, इस्लामाबाद में मेट्रो स्टेशन आग के हवाल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के लॉन्ग मार्च को लेकर हालात लगातार बिगड़ते जा रहे हैं। पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ के अध्यक्ष इमरान खान का काफिला इस्लामाबाद में प्रवेश कर चुका है। हजारों समर्थकों के साथ PTI चीफ डी–चौक की ओर बढ़ रहे। ऐसे में पाकिस्तान सरकार ने महत्वपूर्ण सरकारी जगहों और बिल्डिंग्स की सुरक्षा के मद्देनजर रेड जोन में सेना को तैनात किया है। वहीं, प्रदर्शनकारियों ने राजधानी की सड़कों पर जमकर बवाल काटा है। इस्लामाबाद में एक मेट्रो स्टेशन को आग के हवाले कर दिया गया। इमरान खान का लॉन्ग मार्च इस्लामाबाद में प्रवेश कर चुका है। हालांकि, उनके राजधानी में एंट्री से पहले हिंसा की आग भड़क गई। PTI कार्यकर्ताओं ने शहर में तोड़फोड़ और आगजनी की। उन्होंने डिवाइडर पर लगे पेड़ों को आग के हवाले कर दिया। पुलिस के साथ झड़प के दौरान प्रदर्शनकारियों ने इस्लामाबाद में चाइना चौक मेट्रो स्टेशन में आग लगा दी।

हवा में सेक्स करने का शौक पड़ा भारी! फ्लाइंग स्कूल ने निकाला

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) मास्को। रूस के एक पायलट को कॉकपिट में एक महिला कैडेट के साथ सेक्स टेप बनाने के आरोप में निकाल दिया गया है। ये हैरान कर देना वाला मामला रूस के सासोवो फ्लाइट स्कूल से आया है। जहां महिला कैडेट और पायलट ने कॉकपिट में सेक्स टेप बनाया। दोनों ने कॉकपिट में किए सेक्स को कैमरे पर रिकॉर्ड भी किया। लेकिन सबसे हैरान करने वाली बात ये रही कि इस दौरान उन्होंने गैर जिम्मेदाराना तरीके से हवाई जहाज को ऑटो पायलट मोड पर लगा दिया। जानकारी के मुताबिक 28 वर्षीय पायलट ने अपनी 21 साल की कैडेट से कई और उड़ानों के एवज में सेक्स की डिमांड की थी। पायलट ने कैडेट को सेक्स के बदले एक्स्ट्रा फ्लाइट टाइम की डील के लिए मना लिया था। स्थानीय न्यूज रिपोर्ट के मुताबिक दोनों ने ये सेक्स टेप सेसना 172 (ब्मेदं 172) विमान में बनाया। विमान रायजान क्षेत्र में उड़ रहा था जब इन्होंने उसे ऑटो पायलट मोड पर लगा दिया।

भारत बायोटेक की कोवैक्सीन को एक जून से मान्यता देगा जर्मनी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारत में जर्मन राजदूत वाल्टर जे लिंडनर ने गुरुवार को 1 जून से जर्मनी की यात्रा करने के लिए WHO की तरफ से सूचीबद्ध की गई भारत बायोटेक की COVID वैक्सीन COVAXIN को मान्यता देने के लिए जर्मन सरकार की सराहना की। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने पिछले साल नवंबर में COVAXIN के लिए एक आपातकालीन उपयोग सूची जारी की थी, जिसमें SARS-CoV-2 के कारण होने वाले कोविड–19 की रोकथाम के लिए मान्य टीकों के बढ़ते पोर्टफोलियो को जोड़ा गया। जर्मनी और भूटान में राजदूत लिंडनर ने ट्विटर पर लिखा, मैं बहुत खुश हूं कि जर्मनी की सरकार ने 1 जून से जर्मनी की यात्रा के लिए डब्ल्यूएचओ की तरफ से सूचीबद्ध की गई ब्ट।ग्प्छ को मान्यता देने का फैसला किया है! यह दूतावास इस तरह के निर्णय के लिए बहुत सक्रिय रूप से जोर दे रहा है।

मिशेल के शिनजियांग पहुंचने से पहले ही उइगर समुदाय का डाटा लीक

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) बीजिंग। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार समूह की प्रमुख मिशेल बैचलेट की शिनजियांग दौरे के साथ ही चीनी सरकार का सीक्रेट सामने आ गया है। इसमें अल्पसंख्यक उइगर समुदाय से जुड़ा पूरा डेटा है। साथ ही शीर्ष चीनी अधिकारियों के भाषण हैं जिसमें उइगरों को दबाने और दंडित करने की योजनाएं हैं। बता दें कि उइगर समेत अन्य अल्पसंख्यक समुदायों का शोषण करने का आरोप चीन झेल रहा है और इसके लिए वैश्विक स्तर पर इसकी निंदा हो रही है। गौर करने वाली बात है कि यह मामला तब सामने आया है जब संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार प्रमुख मिशेल बैचलेट वीडियो कान्फ्रेंसिंग के जरिए चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग से बात करने वाली हैं। शिनजियांग पुलिस को ये फाइलें रिसर्चर एड्रियन जेंज से मिलीं।

तिब्बत, अमेरिका–नेपाल की दोस्ती से भड़का चीन

चेतावनी

नेपाल पहुंची अमेरिकी विदेश उप मंत्री उजरा जेया ने तिब्बतियों से की मुलाकात

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

काठमांडू। नेपाल की शेर बहादुर देउबा सरकार और अमेरिका के बीच बढ़ती दोस्ती और बाइडन प्रशासन के अधिकारियों के काठमांडू में तिब्बती शरणार्थियों से मुलाकात पर चीन भड़क गया है। चीन ने अप्रत्यक्ष रूप से नेपाल सरकार से साफ कह दिया है कि आंतरिक या बाहरी किसी भी कारण से एक चीन नीति प्रभावित नहीं होनी चाहिए। माना जा रहा है कि अमेरिकी अधिकारियों के लगातार हो रहे नेपाल दौरे से चीन टेंशन में आ गया है और उसे तिब्बती शरणार्थियों का डर सताने लगा है।

काठमांडू पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक नेपाल चीन द्विपक्षीय सलाह तंत्र की 14वीं बैठक में चीनी पक्ष ने नेपाल के दो शिविरों में अमेरिकी अधिकारियों के तिब्बती शरणार्थियों से मुलाकात पर आपत्ति जताई। इससे पहले अमेरिका की उप विदेश मंत्री उजरा जेया ने दो तिब्बती शिविरों का दौरा किया था। इस बैठक में शामिल एक अधिकारी ने कहा कि चीन का संदेश बहुत साफ था। इस बैठक में नेपाल के विदेश सचिव और चीनी विदेश उप मंत्री शामिल थे।

नेपाल की इच्छा के विपरीत जाकर तिब्बती शरणार्थियों से मुलाकातः इस बैठक में नेपाल के कई विभागों के अधिकारियों ने हिस्सा लिया। इससे पहले अमेरिकी विदेश उप मंत्री और तिब्बती शरणार्थियों की समन्वयक उजरा जेया 20 मई को नेपाल के दौरे पर आई थीं। उन्होंने नेपाल की इच्छा के विपरीत जाकर तिब्बती शरणार्थियों से मुलाकात की। नेपाल के विदेश मंत्रालय ने कहा था कि उन्हें अमेरिकी मंत्री के शिविरों में दौरे के बारे में कोई जानकारी नहीं है। नेपाल में करीब 15 हजार तिब्बती शरणार्थी रहते हैं।

माना जाता है कि चीन के दबाव में इनमें से कई तिब्बतियों को अभी तक शरणार्थी कार्ड नहीं दिया गया है। इससे वे पढ़ाई जारी नहीं रख पाते हैं, बिजनस नहीं कर पाते और विदेश भी नहीं जा पाते हैं। चीन के आपत्ति जताने के बाद नेपाली पक्ष ने चीन को फिर से आश्वासन दिया कि वह एक चीन नीति को मानता है और अपनी जमीन का इस्तेमाल पड़ोसी देशों के खिलाफ नहीं होने देगा। अमेरिकी मंत्री ने नेपाल आने से पहले दलाई लामा और तिब्बत की निर्वासित सरकार के अन्य अधिकारियों से धर्मशाला में मुलाकात की थी।

नेपाल को एक चीन नीति को मानना चाहिएः चीनी राजदूत

अमेरिकी विदेश उप मंत्री की यात्रा से ठीक पहले नेपाल में चीन की राजदूत हाओ यांकी ने नेपाल के गृहमंत्री बाल कृष्ण खंड से मुलाकात की थी और कहा था कि नेपाल को एक चीन नीति का सम्मान करना चाहिए और उसे मानना चाहिए। नेपाल के अमेरिकी सहायता एमसीसी को अनुमति देने के बाद से ही चीन टेंशन में चल रहा है। चीन ने नेपाल को एमसीसी को लेकर चेतावनी दी थी लेकिन देउबा सरकार ने ड्रैगन के आगे झुकने से इंकार कर दिया।

ताइवान पर बाइडन की धमकी से बौखलाया चीन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) बीजिंग। चीन के ताइवान पर हमले की सूरत में अमेरिकी सेना भेजने के जो बाइडन के ऐलान से चीन भड़क गया है और उसने दक्षिण चीन सागर में जोरदार युद्धाभ्यास किया है। चीन की सरकार की मीडिया के मुताबिक सेना ने पूर्वी थिएटर कमांड ने दक्षिण चीन सागर में सैन्य अभ्यास किया है। इसमें चीनी नौसेना और एयरफोर्स दोनों ने हिस्सा लिया है। बताया जा रहा है कि चीन ने इस दौरान ताइवान पर कब्जे का अभ्यास किया।

चीनी सेना पीएलए के प्रवक्ता सीनियर कर्नल शी यी ने कहा कि यह अभ्यास अमेरिका को चेतावनी देने के लिए आयोजित किया गया था। इससे पहले बाइडन ने चेतावनी दी थी कि अगर चीनी सेना ने ताइवान पर हमला किया तो अमेरिकी सेना उसका जवाब देगी। हालांकि बाद में वाइट हाउस ने बाइडन के बयान पर सफाई दी थी और कहा था कि अमेरिका एक चीन नीति में भरोसा करता है। चीनी प्रवक्ता ने कहा कि ताइवान चीन का हिस्सा है और पीएलए का पूर्वी थिएटर कमांड राष्ट्रीय संप्रभुता और क्षेत्रीय शांति तथा स्थिरता की रक्षा करने के लिए प्रतिबद्ध है। कर्नल शी यी ने कहा कि हाल ही में संपन्न हुआ चीनी सेना का लाइव फायर ड्रिल अमेरिका और ताइवान के गठजोड़ के लिए चेतावनी है।

भेड़ ने की महिला की हत्या, कोर्ट ने सुनाई 3 साल की सजा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) जूबा। अफ्रीकी देश साउथ सूडान में एक भेड़ को हत्या के जुर्म में 3 साल के लिए जेल भेजने का अनोखा मामला सामने आया है। इस भेड़ को अपनी सींग से एक बुजुर्ग महिला अधिइयू चापिंग (45) की हत्या करने का दोषी पाया गया है। बताया जा रहा है कि भेड़ ने महिला के सीने पर कई वार किए जिससे उनकी मौत हो गई। इस भेड़ को अब सजा के रूप में सेना के एक शिविर में तीन साल तक सजा काटनी होगी। साउथ सूडान के बड़े बुजुर्गों ने दोषी भेड़ को यह सजा सुनाई है। उधर, पीड़ित परिवार को बताया गया है कि उसे भेड़ के मालिक की ओर से खून के बदले खून के नियम के तहत 5 गायें भी मुआवजे के रूप में दी जाएंगी।

अमेजन के जंगल में मिले 22 मीटर ऊंचे पिरामिड

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

कबीले नहीं बल्कि शहर हैं

सक्रे। अमेजन के जंगल दुनिया में मौजूद सबसे घने जंगलों में से एक हैं। ये दुनिया के फेफड़े भी कहे जाते हैं। ये जंगल अपने अंदर कई राज छिपाए हुए हैं। कहा जाता है कि यहां सोने का शहर भी है, जिसे खोजने कई लोग गए और वापस नहीं लौटे। सोने का शहर मिले या न मिले लेकिन वैज्ञानिकों को रिसर्च के दौरान यहां पिरामिड और मध्य युग की विशाल बस्तियां मिली हैं। इन पिरामिडों की ऊंचाई करीब आठ मंजिल ऊंची है।

नेचर जर्नल में यह रिसर्च पब्लिश की गई है। घने जंगलों में इस तरह की खोज करना बेहद मुश्किल है, लेकिन नई टेक्नोलॉजी के जरिए इसके बारे में पता लग सका है।

लेजर मैपिंग की तकनीक से ये हैरान कर देने वाले रिजल्ट मिले हैं। हेलीकॉप्टर पर लेजर मैपिंग डिवाइस लगाया गया और इसे जंगल के कई हिस्सों के ऊपर से ले जाया गया। इस डिवाइस से एक थ्री–डी इमेज मिली, जिसमें पेड़ नहीं थे और जमीन की सही आकृति का अनुमान लग सका। इस नई खोज से वह धारणा भी कमजोर हुई है, जिसके मुताबिक 16 शताब्दी में यूरोपीय उपनिवेश आने से पहले यहां परिष्कृत समाजों की कमी थी। लेकिन इससे पता चला है कि यहां एक उन्नत सभ्यता रहती थी।

शोधकर्ताओं ने खुलासा किया है कि लगभग 1500 साल पहले प्राचीन अमेजोनियन लोगों ने इसे बनाया और घनी आबादी वाले क्षेत्रों में रहते थे। इसमें 22 मीटर ऊंचे मिट्टी के पिरामिड थे। इसके साथ आबादी के आसपास का इलाका कई किलोमीटर लंबी सड़कों से जुड़ा था। इस रिसर्च से जुड़े कोलोराडो स्टेट यूनिवर्सिटी के पुरातत्वविद क्रिस फिशर का कहना है कि अभी तक हम अमेजन में बसी सभ्यता को जिस हिसाब से देखते थे ये उससे काफी अलग है। इससे हमें पता चलता है कि ये छोटे–छोटे कबीले नहीं बल्कि शहर थे।

मंकीपाक्स की दहशत के बीच उम्मीद की किरण

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) लंदन। इस समय दुनियाभर में मंकीपाक्स का फैलता संक्रमण चिंता का कारण बना हुआ है। इसके निदान के लिए जारी शोध के क्रम में पाया गया है कि कुछ एंटीवायरल दवाएं रोग के लक्षणों में कमी लाने के साथ ही उसके संक्रमणकारी अवधि को भी कम कर सकती हैं। द लैंसेट इंफेक्शियस डिजीज जर्नल में प्रकाशित एक शोधपत्र में अध्ययनकर्ताओं ने 2018 से 2021 के बीच ब्रिटेन में मंकीपाक्स संक्रमण के शिकार हुए सात रोगियों पर पूर्व में किए गए शोध का ब्योरा दिया है। उन्होंने बताया है कि दो एंटीवायरल दवाएं– ब्रिनसिडोफोविर तथा टेकोविरिमैट से इस रोग का इलाज में मददगार हो सकती हैं। अध्ययन के मुताबिक, ब्रिनसिडोफोविर के क्लीनिकल फायदे पाए जाने से प्रमाण मिले हैं, जबकि टेकोविरिमैट के बारे में अभी कुछ और शोध की जरूरत है। शोध के लेखक डाक्टर हग एडलर ने बताया कि लिवरपूल यूनिवर्सिटी हास्पिटल की एक टीम की रिपोर्ट में बताया गया है कि मांकीपाक्स वायरस ब्लड और गले के स्वैब में पाया गया है।

Page Three

Classified

Adds can be booked under these Categories : (all day publication)

Recruitment
Property
Business Opportunity
Vehicles
Announcements
Antiques & Collectables
Barter
Books
Computers
Domain Names
Education
Miscellaneous
Entertainment & Event
Hobbies & Interests
Services
Jewellery & Watches
Music
Obituary
Pets & Animals
Retail
Sales & Bargains
Health & Sports
Travel

Matrimonial (Sunday Only)

अब मात्र रु. 20 प्रति शब्द

नैनी सैनी हवाई पट्टी से जल्द शुरू होगी हवाई सेवा

लोगों की मांग पर हामी भर गये सीएम धामी

आस

निर्मल भट्ट। विशेष रिपोर्ट।

पिथौरागढ़। जिले की नैनी सैनी में चलने वाली हैरीटोज एविएशन का नौ सीटर विमान जब बाइस मार्च को उतरा था तो रनवे में फिसल गया था। बता दे कि उसमें सवार यात्री हादसे का शिकार होने से बच गये थे। वही विमान लंबे समय तक पट्टी पर ही पड़ा रहा था। ऐसे हालातों में जिले में विमान सेवा पूरी तरह से बंद हो चुकी थी।

आलम यह है कि जिले के नैनी सैनी पट्टी पर अब तक हवाई सेवा शुरू न हो पाने के कारण जिले के लोग मायूस हो गए है। जिले में आखिरकार विमान सेवा अब शुरू हो जायेगी। यह संशय जल्द खत्म होगा। जिले में पत्रकारों को संबोधित करते हुए सीएम पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि शीघ्र ही आने वाले जून माह के भीतर केंन्द्र सरकार की पहल पर जिले में

सर्वेक्षण के लिए टीम आयेगी। इसके लिए केन्द्र सरकार से उनकी बात हो चुकी है। सीएम ने कहा कि सीमांत जनपद पिथौरागढ़ दो–दो अर्न्तराष्ट्रीय सीमाओं से लगा हुआ है। केन्द्र और राज्य सरकार इसके लिए खासतौर पर प्रयासरत है। सीएम ने कहा कि पिथौरागढ़ जिले में पर्यटन की अपार संभवनाएं है।

बता दें कि जिले में लंबे समय से हेली सेवा को शुरू किये जाने की मांग को लेकर जिले की सीमांत जनता व जन सामाजिक संगठन कई बार आगे भी आ चुके है। वही अपने एक दिवसीय दौरे पर सीमांत जनपद आये सीएम पुष्कर सिंह धामी ने आखिरकार सीमांत जनपद की जनता की मांग पर हामी भर दी है। उन्होंने जून माह से केन्द्र सरकार की ओर से सर्वेक्षण टीम नैनी सैनी आने की बात स्वीकारी है।

बहुत जल्द सीमांत जनपद पिथौरागढ़ की जनता को विमान सेवा के शुरू होने फायदा मिल सकेगा। साढ़े तीन साल की लंबी इंतजारी के बाद अब सीमांत जनपद पिथौरागढ़ की नैनी सैनी हवाई पट्टी से बहुत जल्द विमान सेवा शुरू होने की उम्मीद बढ़ने लगी है।

न्यूज डायरी

प्लास्टिक के ड्रम में छिपाकर गांजा तस्करी कर रहे दो आरोपित दबोचे

संवाददाता सल्ट। क्षेत्र में लगातार दूसरे दिन गांजा तस्करी का मामला प्रकाश में आया है। अब प्लास्टिक के ड्रम में छिपाकर 13.776 किग्रा गांजा बाइक से उत्तर प्रदेश बेचने ले जा रहे दो आरोपितों को पुलिस ने दबोच लिया। उन्हें गिरफ्तार कर मुकदमा दर्ज कर लिया गया। क्षेत्र में गांजे की तस्करी लगातार बढ़ती जा रही है। बीते दिन पुलिस और एसओजी ने भारी मात्रा में गांजा बरामद किया था। वहीं अब दूसरे दिन भी पुलिस ने दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। गुरुवार को एसओजी और सल्ट पुलिस की संयुक्त टीम ने ग्राम पेसिया बैंड के पास बाइक संख्या यूके 06 एए 1598 को रोका। वाहन की तलाशी लेने पर यूपी मुरादाबाद जिले के ग्राम बुढ़ानपुर निवासी नौसाद और असलम के पास दो प्लास्टिक के ड्रम में कुल 13.776 किग्रा गांजा बरामद हुआ।

वन विभाग ने देवदार के 24 स्लीपर पकड़े, चार गिरफ्तार

संवाददाता देहरादून। पछवादून के चकराता वन प्रभाग की गश्ती टीम ने कनासर रेंज में गुरूवार तड़के वन तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। वन प्रभाग की टीम ने तड़के तीन बजे एक छोटा हाथी वाहन को रोका। चेकिंग में वाहन में देवदार के 24 स्लीपर बरामद किए गये। साथ ही वाहन से चार वन तस्करों को भी दबोचा गया है। चकराता वन प्रभाग के रेंज अधिकारी महेंद्र सिंह गुसांईं ने बताया कि वो अपनी टीम के साथ रात में गश्त कर रहे थे। तभी तड़के करीब तीन बजे चकराता के लोखंडी की ओर से आ रहे एक वाहन को रोका गया तो वाहन में देवदार के 24 स्लीपर लदे हुए थे। वनकर्मियों ने जब वाहन चालक से लकड़ी के दस्तावेज मांगे, तो वाहन चालक दस्तावेज नहीं दिखा पाया।

पारले एग्रो कर रही है विकास के लिये अवसरों का निर्माण

संवाददाता देहरादून। भारत की सबसे बड़ी बेवरेज कंपनी पारले एग्रो, फ्रूटी और ऐपी जैसे फलों से बने प्रतिष्ठित बेवरेज ब्रांड्स बनाने में अग्रणी रही है। ये पेय पदार्थ लगभग हर भारतीय के दिलों पर राज करते हैं। देश और दुनिया भर में अपने उत्पादों की व्यापक मांग को पूरा करने के उद्देश्य से, पारले एग्रो अपने आंतरिक आधारभूत संरचना को अपडेट करने में ध्यान केंद्रित कर रही है। इसके साथ ही कंपनी समूचे भारत में अपने फल प्रसंस्करण साझेदारों की काबिलियत और क्षमताओं का निर्माण करने में तत्परता से काम भी कर रही है। वर्ष 1985 से ही, पारले एग्रो ने भारत में फलों का उत्पादन करने वाले किसानों और प्रोसेसर्स के साथ लगातार काम किया है ताकि उन्हें आगे विकसित किया जा सके।

प्रसव के बाद रेफर स्वास्थ्य कर्मी के नवजात की मौत

संवाददाता अल्मोड़ा। सामान्य प्रसव के बाद हालत खराब होने पर हल्द्वानी रेफर किए नवजात की रास्ते में मौत हो गई। मेडिकल कालेज बनने के बाद भी स्वास्थ्य सुविधाओं का अभाव होने से लोगों में खासा रोष व्याप्त है। उन्होंने इस घटना को संस्थागत हत्या बताया।

पहाड़ों में स्वास्थ्य सुविधाएं लगातार चरमरा रही हैं। आम नागरिक तो दूर स्वास्थ्य कर्मियों को भी इसका दंश झेलना पड़ रहा है। लचर स्वास्थ्य सुविधाओं ने एक और नवजात की जान ले ली। महिला अस्पताल की एक नर्स सात माह की गर्भवती थी। बीते बुधवार की देर शाम उसे अस्पताल में भर्ती किया गया। देर रात करीब नौ बजकर 12 मिनट में महिला ने सामान्य प्रसव के दौरान पुत्र को जन्म दिया। प्री–मैच्योर प्रसव में नवजात की हालत नाजुक थी। उसे रात में ही एनआइसीयू की जरूरत पड़ी। जिसके चलते नवजात को हायर सेंटर सुशीला तिवारी रेफर कर दिया गया। करीब क्वारब के पास पहुंचने पर नवजात ने दम तोड़ दिया। रात साढ़े 11 बजे नवजात को मृत घोषित कर दिया गया। नवजात की मौत से स्वजनों का रो–रोकर बुरा हाल रहा। बताया जा रहा है कि स्वास्थ्य कर्मी के पेट में पथरी भी थी। बच्चा नाजुक था, उसे एनआइसीयू की जरूरत थी। अल्मोड़ा जिले में अब तक कहीं भी एनआइसीयू और पीआइसीयू की सुविधा नहीं है। जिसके चलते हर साल नवजात शिशुओं की मौत के आंकड़े बढ़ रहे हैं। तीन वर्षों में ही 13 गर्भवतियों और 63 नजवातों की मौत हो चुकी है।

रंवाई घाटी पत्रकार संघ का एक दिवसीय सम्मेलन

संवाददाता पुरोला। पुरोला विकासखण्ड के जरमोला में रंवाई घाटी पत्रकार संगठन का रंवाई घाटी में पर्यटन व तीर्थाटन की सम्भावनाओ पर एक दिवसीय सम्मेलन व गोष्ठी का आयोजन किया गया।सम्मेलन में उत्तराखण्ड से जुड़े रोहडू हिमांचल प्रदेश के पत्रकारों ने भी शिरकत की। सम्मेलन में गोष्ठी का आयोजन भी किया गया जिसमें रंवाई क्षेत्र की प्राकृतिक सुंदरता व यंहा पर पर्यटन व तीर्थाटन की संभावनाओं पर विस्तृत चर्चा की गयी। सम्मेलन में बतौर मुख्य अतिथि पुरोला नगर पंचायत अध्यक्ष हरिमोहन नेगी ने शिरकत की व पुरोला में प्रेस क्लब बनवाने का आश्वाशन दिया।

सड़कों को जल्द ठीक करने को लेकर एनएच के अधिकारियों को सख्त निर्देश

संवाददाता अल्मोड़ा। मंडलायुक्त दीपक रावत ने कहा कि कुमाऊं की लाइफ लाइन खैरना स्थित राष्ट्रीय राजमार्ग को तेजी से दुरुस्त किया जा रहा है। एनएच के इंजीनियरों को पूर्व में चेतावनी भी दी गई है। उन्होंने ऐतिहासिक धरोहर मल्ला महल विशेषज्ञों की निगरानी में जीर्णोद्धार नहीं होने पर नाराजगी जताते हुए निर्माण एजेंसी को सख्त निर्देश दिए।

गुरुवार को कुमाऊं आयुक्त दीपक रावत ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि सड़कों को जल्द ठीक करने को लेकर एनएच के अधिकारियों को सख्त निर्देशित किया गया है। कार्य में जरूर देरी हुई है। तय समय पर कार्य पूरा नहीं करने वाले

कर्मचारियों पर कार्रवाई की जाएगी। पर्यटकों को कोई दिक्कत ना आए इसके लिए पूरा ख्याल रखा जा रहा है। हेल्पलाइन नंबर जारी किए गए है। तय रेट से अधिक में सामान देने आदि की शिकायत आई है। जिस पर कार्रवाई भी की जा रही है। इसके बाद कमिश्नर ने मल्ला महल का निरीक्षण किया। ऐतिहासिक धरोहर का जीर्णोद्धार 14 करोड़ की लागत से दो चरणों में किया जा रहा है। छह करोड़ की लागत से रानी महल का जीर्णोद्धार हो रहा है। 60 फीसद कार्य पूरा हो चुका है। करीब आठ करोड़ की लागत से मल्ला महल का जीर्णोद्धार होना है। इसमें भी 50 फीसद कार्य हो चुका है। कमिश्नर ने निर्माण कार्य देखा और अधिकारियों को फटकार लगाई। उन्होंने कहा कि कार्य के दौरान प्रत्येक दिन सिविल इंजीनियर की तैनाती होनी चाहिए। धरोहर को विशेष संरक्षण दिया जएगा। इस अवसर पर डीएम वंदना सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

यूपीएससी की परीक्षा को लेकर दिए निर्देशः आयुक्त दीपक रावत ने आगामी पांच जून को होने वाली संघ लोक सेवा आयोग की सेवा परीक्षा की तैयारियों को लेकर बैठक की। सभी सेक्टर मजिस्ट्रेट व अन्य संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

देवभूमि के छात्र ने बटर क्रीम से बनाया अनोखा स्कल्प्चर

संवाददाता देहरादून। देवभूमि उत्तराखंड यूनिवर्सिटी के होटल मैनेजमेंट विभाग ने गुरुवार को बटरक्रीम स्कल्पचर बनाया जिसमें शेफ सुरेंद्र सिंह बिष्ट ने विभाग के अन्य छात्रों के साथ मिलकर एक मोर की आकृति का स्कल्पचर बनाया इस आकृति को बनाने के लिए कुल 15 किलो बटर क्रीम का प्रयोग किया गया और इस पूरे स्कल्पचर को 3 घंटे 15 मिनट में पूर्ण किया गया है इस पूरे कार्य में सुरेंद्र सिंह बिष्ट ने छात्रों को बटर क्रीम के प्रयोग के बारे में बताया और किस तरीके से उसके प्रयोग से अनेक प्रकार के स्कल्पचर बनाए जा सकते हैं। इस उत्कृष्ट कार्य के लिए विभाग अध्यक्ष चंद्र मौली तथा विभाग की एचओडी दीपा चावला द्वारा शेर सुरेंद्र सिंह बिष्ट को प्रोत्साहित किया गया ताकि आने वाले समय में वह ऐसे अनेक उपलब्धियां विभाग के लिए प्रदान कर सकें।

स्टूडेंट्स की बेहतर होगी स्किल

कोई चाहे तो एक साथ बीकॉम और साइंस में भी डिग्री ले सकता है। अगर कोई एक ही यूनिवर्सिटी से दोनों विषयों की ऑफलाइन डिग्री की पढ़ाई कर रहा है तो यह देखना होगा कि उनके क्लास एक ही समय में ना हों।

नीतू शाह।।

जिन कॉलेजों को यूनिवर्सिटी ग्रांट कमिशन (यूजीसी) और भारत सरकार की संबंधित एजेंसियों की मान्यता है, उनसे अकादमिक सत्र 2022–23 से डिप्लोमा, अंडर ग्रैजुएट और पोस्ट ग्रैजुएट लेवल पर स्टूडेंट्स एक साथ दो विषयों में डिग्री ले सकते हैं। यूजीसी का कहना है कि इससे स्टूडेंट्स की स्किल बेहतर होगी। दोनों डिग्रियां एक साथ क्लास में पढ़ाई, एक ऑनलाइन और एक ऑफलाइन या दोनों ऑनलाइन तरीके से ली जा सकती हैं।

यूजीसी ने इसके लिए गाइडलाइंस जारी कर दी हैं। इसे अपनाने या नहीं अपनाने की आजादी यूनिवर्सिटी को दी गई है। किन–किन विषयों में एक साथ दो डिग्रियां ली जा सकती हैं, यह अलग–अलग संस्थानों पर निर्भर करेगा। इससे किसी स्टूडेंट को एक साथ साइंस और हिस्ट्री या साइंस में ही दो विषयों से डिग्री लेने की आजादी मिलेगी। कोई चाहे तो एक साथ बीकॉम और साइंस में भी डिग्री ले सकता है। अगर कोई एक ही यूनिवर्सिटी से दोनों विषयों की ऑफलाइन डिग्री की पढ़ाई कर रहा है तो यह देखना होगा कि उनके क्लास एक ही समय में ना हों। ऐसे में स्टूडेंट एक विषय की पढ़ाई मॉर्निंग और दूसरे की इवनिंग शिफ्ट में कर सकता है।

यूजीसी की गाइडलाइंस इस मामले में दो संस्थानों से भी पढ़ाई करने की इजाजत देती है। लेकिन यह तभी मुफीद होगा, जब दोनों संस्थान आसपास हों। एक साथ दो डिग्री के लिए योग्यता की शर्तों और यूनिवर्सिटी के नियमों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। यूजीसी का कहना है कि यह पहल नई शिक्षा नीति के तहत की गई है। इसका मकसद अलग–अलग डिसिप्लिन में पढ़ाई का मौका देकर उनके हुनर को निखारना है। इससे ऐसे स्टूडेंट्स की रोजगार पाने की संभावना बेहतर होगी। लेकिन इसे लेकर कई सवाल भी हैं। पहला तो यही है कि एक ही विषय से डिग्री लेने में अकादमिक दबाव कम नहीं होता। ऐसे में एक स्टूडेंट क्या दो विषयों से एक साथ डिग्री का प्रेशर सह पाएगा? दूसरा सवाल शिक्षा के स्तर से जुड़ा हुआ है। कई कंपनियां, सर्वे में यह बात सामने आई है कि भारत में एक हद तक शिक्षित छात्रों में भी रोजगार पाने की योग्यता नहीं होती। इसलिए एक साथ दो डिग्री की पहल के साथ शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार लाने की भी पहल करनी होगी। एक और समस्या उच्च शिक्षा में घटती दिलचस्पी की भी है। यूजीसी और अन्य सरकारी एजेंसियों को इस पर भी ध्यान देना चाहिए। इसके साथ, देश की अधिक से अधिक यूनिवर्सिटीज अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में अपनी जगह बना पाएं, इसके लिए कोशिशें और तेज करनी होंगी। यानी इस मामले में एक व्यापक सोच की जरूरत है, जिससे उच्च शिक्षा में देश का दर्जा बेहतर हो।

सुख–समृद्धि

धर्म-दर्शन

अशोक वोहरा। मान्यता है कि यदि वास्तु के नियमों का पालन करके मनी प्लांट का पौधा लगाया जाए, तो घर में सुख–समृद्धि और रुपये–पैसों की कोई कमी नहीं रहती। यदि मनी प्लांट का शुभ फल पाना है, तो इसे सही दिशा में लगाएं। अक्सर लोग मनी प्लांट को बिना सोचे किसी भी दिशा में लगा देते हैं। वास्तु शास्त्र की मानें तो मनी प्लांट लगाने की सबसे सही दिशा दक्षिण पूर्व है। इस दिशा में मनी प्लांट लगाने से काफी फायदा होता है। मनी प्लांट को लगाते समय इस बात का सबसे ज्यादा ख्याल रखें कि उसकी पत्तियां कभी भी जमीन को न छुएं। इसके लिए आप मनी प्लांट की बेल को किसी रस्सी से ऊपर की तरफ लगा सकते हैं। मनी प्लांट ऊपर की ओर जाता है तो इससे तरक्की होती है। वहीं कहा जाता है कि यदि मनी प्लांट के पत्ते फर्श से छूते हैं तो घर में नेगेटिव एनर्जी आती है।

संपादकीय

आम लोगों से संवाद

विधानसभा चुनावों के दौरान एटा के जलेसर में एक निष्ठावान कांग्रेसी मिल गए। नाम था रामसेवक। जब उनसे पूछा कि कांग्रेस क्यों नहीं मजबूती से लड़ पा रही है, तो रामसेवक बोले, 'पार्टी ऐसे लोगो के भरोसे हो गई है जिन्हे जमीनी जानकारी नहीं।' कांग्रेस को आम लोगो के बीच जाकर संवाद स्थापित करना होगा। संघर्ष, संवाद और विचार से लड़ाई जीती जा सकती है। निष्ठावान कार्यकर्ताओं की फौज ही किसी पार्टी को बलशाली बना सकती है। आखिर हम प्रबंधन में सफलता क्यों ढूंढना चाहते हैं? क्यों सेवा, संवाद और विचार में सफलता को नहीं खोज रहे हैं? याद आ रहा है कि नारायण दत्त तिवारी, वीर बहादुर सिंह, कल्याण सिंह, राजनाथ सिंह, मुलायम सिंह यादव सभी विधानमंडल दल की लंबी बैठकें करते थे और हर विधायक की बात बहुत ध्यान से सुनते थे। विधायक भी खुलकर अपनी बात कहते, जिससे पार्टी मजबूत हो। अब अपनी ही पार्टी के नेताओं पर भरोसा कम हो गया है। यह संयोग भी बड़ा अर्थपूर्ण है कि जिस समय कांग्रेस पीके में सफलता के ब्रह्मास्त्र ढूंढ रही थी उसी दौरान पीके की कंपनी ने कांग्रेस की धुर विरोधी तेलंगाना की टीआरएस से चुनावी प्रबंधन का समझौता कर लिया। कांग्रेस से जुड़े एक वरिष्ठ नेता कहते हैं कि पार्टी को अपने युवा और अनुभवी नेताओं पर भरोसा करना चाहिए। उन्हीं से फीडबैक लेना चाहिए। उन्हीं से विचार लेना चाहिए और फिर जनता के बीच जाना चाहिए। कोई सेना भाड़े के सैनिकों से युद्ध नहीं जीत सकती। उसे अपने समर्पित सैनिकों पर भरोसा करना ही होगा। जो लोग प्रबंधन में सफलता ढूंढना चाहते हैं वे भ्रम के शिकार हैं। शायद उन्हें जमीनी जानकारी नहीं है।

चुनावी प्रबंधन के गुरु माने जाने वाले प्रशांत किशोर यानी पीके ने कांग्रेस के इस प्रस्ताव को ठुकरा दिया कि वह पार्टी में शामिल हो जाएं। सवाल है, क्या देश की राजनीति में पुरुषार्थ के दिन लद गए और उसका स्थान प्रबंधन ले रहा है?

खाट खड़ी हो गई

बृजेश शुक्ल।।

राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त की लाइन याद आ रही है कि 'कौन थे, क्या हो गए हैं और क्या होंगे अभी।' चुनावी प्रबंधन के गुरु माने जाने वाले प्रशांत किशोर यानी पीके ने कांग्रेस के इस प्रस्ताव को ठुकरा दिया कि वह पार्टी में शामिल हो जाएं। सवाल है, क्या देश की राजनीति में पुरुषार्थ के दिन लद गए और उसका स्थान प्रबंधन ले रहा है? क्या भारत की राजनीति नए मार्ग की ओर बढ़ रही है? अब राजनीति के मुद्दे और उसकी दिशा राजनीति के तपे–तपाए नेता नहीं बल्कि चुनाव जिताने का दावा करने वाले प्रबंधक तय करेंगे? इस सिलसिले की मजबूत शुरुआत 2014 से हुई जब भारतीय जनता पार्टी ने प्रशांत किशोर को चुनाव प्रबंधन की जिम्मेदारी सौंपी। नरेंद्र मोदी चुनाव जीत गए और प्रधानमंत्री बन गए। इससे राजनीतिक दलों को लगा कि यह जीत मोदी की कम, पीके की ज्यादा है। इसके बाद दलों के नेता और कार्यकर्ता पीछे की सीट पर बैठा दिए गए और प्रबंधक ड्राइविंग सीट पर जा बैठे।

बात 2017 की है। उत्तर प्रदेश में कांग्रेस को जिताने की जिम्मेदारी पीके को दे दी गई थी। पीके की ही सलाह पर कांग्रेस ने खाट यात्रा शुरू की। गांव में खाट में बैठे हजारों ग्रामीणों के बीच राहुल गांधी उनसे चर्चा करते थे। इस खाट

यात्रा से कांग्रेस को क्या मिला, कुछ पता नहीं चला। लेकिन गांव वाले उन खाटों को अपने घर जरूर उठा ले गए। जब कांग्रेस अपने पैरों पर खड़ी होती नहीं दिखी तो समाजवादी पार्टी से समझौता किया गया। लेकिन पीके की कोई रणनीति काम नहीं आई और चुनाव में कांग्रेस की खाट खड़ी हो गई।

वैसे अकेले कांग्रेस की ही बात क्यों की जाए। अब तो चुनावी प्रबंधन के लिए सभी राजनीतिक दल कंपनियों के भरोसे हो गए हैं। इतना जरूर है कि कांग्रेस कुछ ज्यादा ही आगे बढ़ गई है। शायद कांग्रेस के नीति नियंताओं को लगा कि वे पार्टी को मजबूत नहीं कर सकते, पीके के पास कोई जादू की छड़ी है जिससे वह पार्टी को मजबूत कर देंगे। सवाल बड़ा है। क्या किसी पार्टी का जनाधार मुद्दों को तलाश कर बढ़ाया जा सकता है? असल में एक आम धारणा रही है कि जो नेता जमीन पर हैं, उनसे बेहतर मुद्दे कोई नहीं जानता और उनसे ज्यादा लोगों की कोई सेवा भी नहीं कर सकता। इस धारणा के उलट, विभिन्न दलों के बड़े–बड़े नेताओं के चुनावी प्रबंधकों के इशारे पर नाचने की शुरुआत हो चुकी है। क्या अब नेताओं को सेवा के रास्ते बताए जाएंगे? यह राजनीति के लिए बहुत ही दुखद दिन हो सकता है जब हमारे जमीनी नेताओं को असफल मान लिया जाए और चुनावी प्रबंधक यह बताने लगें कि किस रास्ते पर चलकर चुनाव जीता जा सकता है। जो जन प्रतिनिधि जमीन पर है उससे बड़ा चुनावी प्रबंधक कोई दूसरा नहीं हो सकता।

कालजयी साबित हुए नारों को इन नए चुनावी प्रबंधकों ने नहीं बल्कि जमीनी नेताओं और कार्यकर्ताओ ने गढ़ा। 'मैं कहती हूं गरीबी हटाओ, ये कहते हैं इंदिरा हटाओ' के नारे ने चुनाव को पलट दिया था। 'अच्छे दिन आने वाले हैं', यह नारा सुषमा स्वराज के दिमाग की उपज था न कि किसी चुनावी प्रबंधक के दिमाग की। देश की जनता भूखी है, यह आजादी झूठी है का नारा वामपंथियों ने गढ़ा था। समाजवादियों के नारे भी जन–जन तक पहुंचे।

वास्तव में राजनीति की जो नई धारा आई है, उसमें कम मेहनत में बहुत कुछ पाने की तमन्ना है और इसी वजह से यह उस चुनावी प्रबंधन पर पूरी तरह समर्पित हो जाना चाहती है, जो कॉरपोरेट कल्चर से निकली है।

सूडोकु नवताल-5329

सरल

	9				4			
8	4			6		9		5
5		6	8	2		3		
	1	5	6	3			9	7
3	6			9	7	1	4	
		1		4	8	7		6
9		4		7			2	1
			2				8	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -5328 का हल

8	5	4	7	3	2	6	1	9
6	7	1	9	5	4	3	2	8
2	9	3	8	6	1	7	5	4
4	3	9	2	1	7	8	6	5
5	6	2	3	8	9	4	7	1
7	1	8	6	4	5	9	3	2
3	2	6	5	9	8	1	4	7
9	4	7	1	2	6	5	8	3
1	8	5	4	7	3	2	9	6

अपना ब्लॉग

मतदाता के मन में अपने लिए मजबूत जगह

मोहन। राजनीति के जो मंजे खिलाड़ी हैं, वे जानते हैं कि राजनीतिक सफलता के कौन से गुर हैं। जो समाजसेवा करते हुए तप चुका है, वही चुनावी रणनीति का पुरोधा हो सकता है। उत्तर प्रदेश विधानसभा में शाहजहांपुर से सुरेश खन्ना और कानपुर के महराजपुर से सतीश महाना दो ऐसे विधायक हैं, जिनकी जाति के एक हजार वोट भी उनके विधानसभा क्षेत्र में नहीं हैं। लेकिन ये दोनों लगातार नौ बार से चुनाव जीत रहे हैं। लेकिन अब चुनावी प्रबंधन के नाम पर निकले लोगों को दलों पर ही स्थापित करने का प्रयास दलों द्वारा हो तो फिर इसका मतलब यही निकला कि सेवा का कोई मूल्य नहीं, प्रबंधन ही सब कुछ है। इसी तरह कांग्रेस के नेता प्रमोद तिवारी दस बार और समाजवादी पार्टी के नेता आजम खां लगातार दस बार चुनाव जीत चुके है। इन सबने प्रबंधन से नहीं बल्कि सेवा और संवाद से मतदाता के मन में अपने लिए मजबूत जगह बनाई। बीजेपी के एक वरिष्ठ नेता कहते हैं कि सेवा का रास्ता कोई दूसरा नहीं बता सकता।

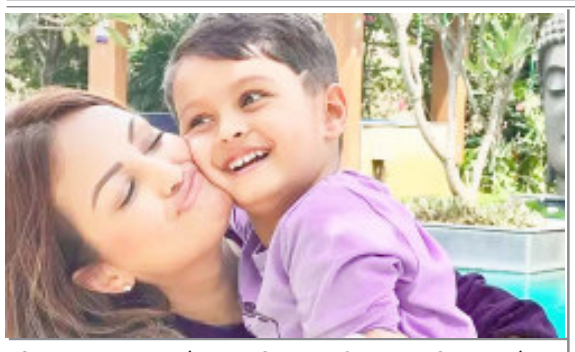

निशा रावल ने काविश की परवरिश को लेकर बयान किया दर्द

टीवी ऐक्ट्रेस और लॉकअप की कंटेस्टेंट रहीं निशा रावल ने 5 साल के बेटे काविश की परविश, सिंगल मदर की जिम्मेदारियों से लेकर अपनी जिंदगी के कई पहलुओं पर खुलकर बातचीत की। निशा रावल ने कहा कि टॉक्सिक परवरिश से अच्छा है कि मैं अपने बेटे काविश की परवरिश अकेले ही करूं। मैं बेटे को दुनियाभर की सब खुशियां देना चाहती हूं। इसीलिए मैं घर और काम दोनों को बैलेंस कर रही हूं। मैं बेटे की बेस्ट परवरिश करना चाहती हूं। निशा रावल ने बेटे की अकेले परवरिश करने को लेकर कहा है कि मेरे पैरेंट्स, मेरा पूरा स्टाफ बेटे काविश को एक बेहतर माहौल देता है। ताकि वह खुश रहे। टॉक्सिक रिलेशनशिप के माहौल से अच्छा है कि मैं अकेले ही बेटे को पालन पोषण करूं। निशा ने कहा कि मैं घर से जब काम के लिए निकलती हूं तो इससे पहले बेटे के साथ टाइम स्पेंड करती हूं और उसे पूरा समय देती हूं। मेरे लिए मदरहुड को जीना एक आशीर्वाद है। मेरा स्टाइफ और मेरी मां बेटे काविश की परवरिश में पूरा सपोर्ट करते हैं। अब मैं सिंगल पेरेंट हूं।

मन्नत में शाहरुख खान को है सिर्फ एक काम करने की इजाजत

बॉलिवुड सुपरस्टार शाहरुख खान की तरह ही उनकी वाइफ गौरी खान भी लाइमलाइट में रहती हैं। वो बेहतरीन डिजाइनर हैं। देश की जानी–मानी हस्तियां उनसे अपना घर, ऑफिस या रेस्टोरेंट डिजाइन करवाती हैं। गौरी ने अपना घर मन्नत भी खुद संवारा है। एक–एक सामान वो खुद लेकर आई हैं और उन्हें करीने से सजाया भी है। यही वजह है कि उनके सजाए हुए घर में कोई बाहरी तो क्या खुद शाहरुख खान भी छेड़छाड़ नहीं कर सकते हैं। किसी को भी इसकी इजाजत नहीं है। ऐसा खुद शाहरुख खान ने बताया है। वो दिल्ली में एक इवेंट में शामिल हुए थे, जहां उन्होंने इसका खुलासा किया है। इस इवेंट में शाहरुख खान का डैपर लुक देख फैंस एक बार फिर उन पर दिल हार बैठे। हर तरफ उनकी ही चर्चा हो रही है। प्रोग्राम के दौरान ैत्ज्ञ ने अपने घर से जुड़ी चीजों का खुलासा किया। किस तरह से वाइफ गौरी खान घर के डिजाइन में उनको भी छेड़छाड़ करने नहीं देती हैं, घर की चीजें वही खरीद कर लाती हैं.. उन्होंने ये भी बताया कि उनके मन्नत में 11–12 टीवी हैं यानी उनके घर में 30–40 लाख का सिर्फ टीवी ही है। अब ये सुनकर लोगों का दिमाग चकरा गया।

हंसल मेहता की बीवी सफीना हुसैन गरीब लड़कियों की हैं बड़ी दीदी

फिल्ममेकर हंसल मेहता ने जहां 54 साल की उम्र में शादी करके सबको हैरान कर दिया है, वहीं इंटरनेट पर उनकी वाइफ सफीना हुसैन की चर्चा हो रही है। सफीना हुसैन और हंसल मेहता पिछले 17 साल से लिव–इन में रह रहे थे। शादी की तस्वीरें सामने आने के बाद से ही हर कोई सफीना हुसैन के बारे में जानना चाहता है। सफीना हुसैन लड़कियों की शिक्षा के लिए काम कर रही हैं। उनकी म्कनबंजम ळपतसे के नाम से एक संस्था भी है। इस संस्था को उन्होंने एक खास मकसद है शुरू किया था, जिसका बीज तब रोपा गया, जब सफीना हुसैन को बचपन में बुरे दौर से गुजरना पड़ा। शोषण सहना पड़ा और गरीबी देखनी पड़ी। सफीना हुसैन ने इसका खुलासा एक इंटरव्यू में किया था। सफीना हुसैन ने अपनी जिंदगी के उन पन्नों से पर्दा उठाया था, जिसके बारे में बहुत ही कम लोग जानते हैं। सफीना हुसैन पॉप्युलर फिल्म और टीवी ऐक्टर यूसुफ हुसैन की बेटी हैं। यूसुफ हुसैन का बीते साल कोविड के कारण निधन हो गया था। सफीना हुसैन को ऐक्टिंग विरासत में मिली थी, लेकिन उन्होंने अपने लिए एक अलग फील्ड चुना। ऐसा फील्ड, जिसमें उनके काम के लिए ढेरों अवॉर्ड्स से नवाजा जा चुका है। इसके जवाब में उन्होंने अपनी तकलीफों और जख्मों से पर्दा हटाया था।

गिनीज बुक में दर्ज है रितिक रोशन की कहो ना प्यार है का नाम

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

हिंदी सिनेमा के इतिहास में एक ऐसी फिल्म बनी, जिसने 92 अवॉर्ड्स जीते और इसी के दम पर शगिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्सश में जगह बनाई। इस फिल्म का नाम है कहो ना प्यार है, जिसे राकेश रोशन ने डायरेक्ट किया था। इस फिल्म के जरिए रितिक रोशन ने बॉलिवुड में डेब्यू किया था।

गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज है नाम

कहो ना प्यार है से सिर्फ रितिक रोशन ही नहीं बल्कि अमीषा पटेल ने भी बॉलिवुड में डेब्यू किया था। इस फिल्म से कई ऐसी मजेदार चीजें जुड़ी हैं, जिसके कारण इसका नाम गिनीज बुक में ही नहीं बल्कि भारतीय सिनेमा के इतिहास में भी दर्ज है।

फिल्म ने जीते 92 अवार्ड्स, रातोंरात स्टार बने थे रितिक

कहो ना प्यार है ने बेस्ट डायरेक्टर से लेकर प्रड्यूसर, तो बेटे रितिक रोशन ने बेस्ट ऐक्टर और बेस्ट डेब्यू का फिल्मफेयर अवॉर्ड जीता था। कहो ना प्यार है रिलीज होते ही सुपरहिट हो गई। फिल्म की ब्लॉकबस्टर सफलता ने रितिक रोशन और अमीषा पटेल को भी रातोंरात स्टार बना दिया था।

शाहरुख के साथ बननी थी कहो ना प्यार है

इस फिल्म की सक्सेस का असर न्यू जीलैंड पर भी पड़ा था। दरअसल कहो ना प्यार है की शूटिंग इंग्लैंड में की गई थी। इस वजह से न्यूजीलैंड देशभर के लोगों के बीच खूब पॉप्युलर हो गया था। पर आपको जानकर हैरानी होगी कि राकेश रोशन कहो ना प्यार है को बेटे रितिक रोशन नहीं बल्कि शाहरुख खान के साथ बनाना चाहते थे।रिपोर्ट्स के मुताबिक, राकेश रोशन ने फिल्म की जो कहानी लिखी थी, वह शाहरुख खान को दिमाग में रखकर लिखी थी। लेकिन वह फिल्म का एंड अच्छे से नहीं प्लान कर पाए। तब रितिक रोशन ने पिता राकेश रोशन से कहा था कि वह खान्स के साथ ढेर सारी फिल्में कर चुके हैं और अब उन्हें किसी फ्रेश चेहरे को लेकर फिल्म बनानी चाहिए। तब राकेश रोशन ने वह रोल रितिक रोशन को दिया।

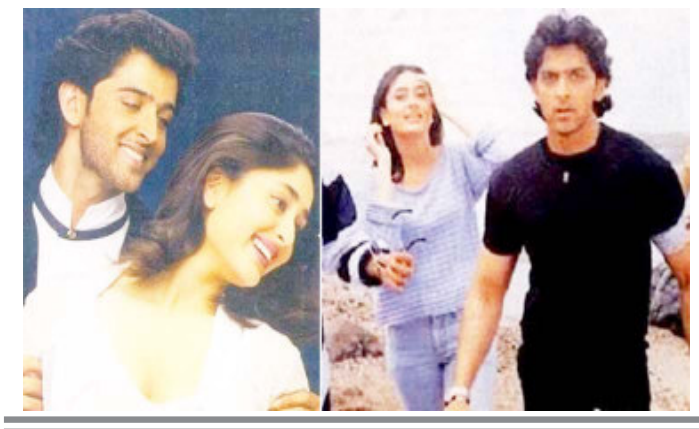

सलमान ने रितिक की बहडी बनाने में की मदद

रितिक रोशन ने इस फिल्म के लिए बॉडी बनाने के लिए सलमान खान से ट्रेनिंग ली थी। ऐक्टिंग डेब्यू करने से पहले रितिक रोशन पापा राकेश को फिल्मों में असिस्ट कर रहे थे। जब रितिक ने कहो ना प्यार है के लिए डबल रोल स्वीकार किया तो बॉडी बनाने के लिए सलमान खान की हेल्प मांगी। रितिक ने सलमान को फोन किया। उन्हें लगा कि शायद सलमान पहचानेंगे नहीं। लेकिन सलमान, रितिक रोशन की रिक्वेस्ट मान गए और बॉडी बनाने में हेल्प की।

करीना कपूर को मिला था अमीषा वाला रोल

कहो ना प्यार है अमीषा पटेल के करियर में मील का पत्थर साबित हुई। लेकिन करीना यह फिल्म नहीं छोड़तीं तो शायद ऐसा हो भी नहीं पाता। दरअसल कहो ना प्यार है में अमीषा पटेल वाले रोल के लिए पहले करीना कपूर को साइन किया गया था। करीना की रितिक के साथ इस फिल्म को शूट करते हुए तस्वीरें भी वायरल हुई थीं।

करण जौहर ने नई ऐक्शन फिल्म का किया ऐलान

डायरेक्टर करण जौहर ने अपने 50वें बर्थडे पर वादा किया था कि वह कुछ बड़ा सरप्राइज देंगे। तो अब उन्होंने अपना वादा पूरा करते हुए नई फिल्म का ऐलान कर दिया है। करण जौहर ने बताया कि वह अप्रैल 2023 में बड़ी ऐक्शन फिल्म लेकर आएंगे। अब ये फिल्म क्या होगी, कैसे होगी, क्या टाइटल होगा, कैसी स्टारकास्ट होगी वगैरह वगैरह.. इन सभी सवालों के जवाब फिलहाल करण जौहर ने नहीं दिए हैं। लेकिन जल्द ही वह इस ऐक्शन फिल्म का अपडेट शेयर करेंगे। करण जौहर ने अपने जन्मदिन के मौके पर अपकमिंग फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी की रिलीज डेट भी जारी कर दी है।

करण जौहर ने बर्थडे के मौके पर कहा, मैं 27 सालों से इस इंडस्ट्री का हिस्सा हूं। मैंने बेस्ट अनुभव को महसूस किया है। बेशक वह स्टोरी कहने का तरीका हो या फिर क्रिएटिव कंटेंट बनाने का अंदाज। मैंने इन सालों में कई सपने देखे और पूरे किए है।

ये है रॉकी और रानी की प्रेम कहानी

करण जौहर ने बर्थडे पर पोस्ट शेयर किया, मैं फिल्ममेकिंग को लेकर काफी पेशनेट हूं। हां कुछ समय पहले मैंने काफी गैप लिया। लेकिन आज इस खास मौके पर मैं अपनी नई डायरेक्टोरियल फीचर फिल्म का ऐलान कर रहा हूं। श्रॉकी और रानी की प्रेम कहानीश 10 फरवरी 2023 को रिलीज होगी।

ऐक्शन फिल्म

करण जौहर ने बताया, मैं नई ऐक्शन फिल्म का अप्रैल 2023 में ऐलान करूंगा। आप सभी के प्यार और आशीर्वाद की जरूरत है। सभी जुग जुग जियो। आप सभी का करण जौहर। अब बस फैंस को इंतजार है कि ये ऐक्शन फिल्म कैसी होगी और कौन इस फिल्म में लीड रोल निभाएगा?

इतने साल बाद डायरेक्टर की कुर्सी संभालेंगे

बता दें करण जौहर के निर्देशन में बनी आखिरी फिल्म श्ऐ दिल है मुश्किल हैश थी, जो 2016 में रिलीज हुई थी। 8 साल के बाद करण जौहर ने डायरेक्टर की कुर्सी पर वापसी की। उनकी फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी में आलिया भट्ट, रणवीर सिंह, जया बच्चन, धर्मेंद्र और शबाना आजमी समेत कई कलाकार नजर आएंगे।

कर लें इन चीजों की जांच, पता चल जाएगा बेस्ट है या नहीं

टूथपेस्ट में ये एक्टिव इंग्रीडिएंट्स आपके दांतों में नसों को आराम दिलाने में मदद करते हैं और दांतों को गर्म, चीनी, ठंडे के प्रति कम संवेदनशील बनाते हैं। दांतों के स्वास्थ्य के लिए आपका टूथपेस्ट बहुत मायने रखता है। इसलिए विज्ञापनों के बहकावे में ना आएं और टूथपेस्ट खरीदने से पहले यहां बताए गए इंग्रीडिएंट्स की जांच जरूर करें। मुंबई के डेजल डेंटल क्लीनिक के फाउंडर डॉ. राजेश शेट्टी के अनुसार टूथपेस्ट में सक्रिय और असक्रिय दोनों तरह के इंग्रीडिएंट्स होते हैं।

सड़न से बचागा फ्लोराइड

कैविटी से लड़ने में फ्लोराइड एक अहम भूमिका निभाता है। फ्लोराइड एक मिनरल है , जिसे ज्यादातर टूथपेस्ट में मिलाया जाता है। यह इनेमल को मजबूत करने के साथ प्लाक पर बनने वाले एसिड की क्षमता को धीमा करता है। जिससे दांतों में सड़न पैदा नहीं होती। इसलिए चाहे आप कोई भी टूथपेस्ट क्यों न खरीद रहे हों, इसमें फ्लोराइड है कि नहीं , जरूर देख लेना चाहिए।

कैसा है टूथपेस्ट का स्वाद

कहने को तो फ्लोराइड ओर अब्रेसिव्ज दांतों की सफाई और सुरक्षा में मदद कर सकते हैं, लेकिन इन दोनों इंग्रीडिएंट्स में अच्छा स्वाद नहीं होता। ब्रश करते समय स्वाद भी आए, इसलिए इसमें कई तरह के फ्लेवर मिलाए जाते हैं। टूथपेस्ट का मीठा स्वाद सैक्रीन और सोर्बिटोल जैसे एजेंटों से आता है। इसके अलावा यह ध्यान रखना जरूरी है कि इन टूथपेस्टों में चीनी बिल्कुल नहीं होती, इसलिए आपके दांत बहुत जल्दी सड़ने से बच जाते हैं।

सेंसिटिविटी से राहत दिलाए

डॉक्टर अक्सर डेंटल हाइजीन की सलाह देते हैं। क्योंकि आजकल खान–पान की गलत आदतों के चलते दांत बहुत सेंसिटिव हो जाते हैं। ठंडा पानी दांतों को लगने लगता है, वहीं कुछ खाने पर यह दर्द करने लगते हैं। ऐसे में टूथपेस्ट लेने से पहले यह जरूर देख लेना चाहिए कि यह आपको सेंसिटिविटी से राहत दिलाएगा या नहीं। आपको बता दें कि सेंसिटिविटी से राहत दिलाने के लिए इसमें पोटेशियम नाइट्रेट, स्टैनस फ्लोराइड और स्ट्रौंटियम क्लोराइड मिलाया जाता है।

अब्रेसिव्स दाग को हटाने में मददगार

अब्रेसिव एक ऐसा इंग्रीडिएंट है, जो तकनीकी रूप से दांतों पर जमे मलबे और दाग को हटाने में मदद करता है। एब्रेसिव्स में आमतौर पर कैल्शियम कार्बोनेट, डिहाइड्रेटेड सिलिका जेल और हाइड्रेटेड एल्यूमिनियम ऑक्साइड शामिल होते हैं। अब्रेसिव्स का मकसद आपके दांतों को नुकसान पहुंचाए बिना दांतों की सतह को धीरे–धीरे साफ करना है।

चर्बी पिघालकर तेजी से वजन कम कर देंगे आयुर्वेदिक उपाय

स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि वजन कम करने के लिए एक डेली रूटीन फॉलो करना बहुत जरूरी है। इससे न केवल फिट रहने बल्कि इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाने में भी मदद मिलती है। आयुर्वेद में ऐसे कई उपाय हैं, जो वजन कम करने के मामले में सभी लोगों के लिए सामान रूप से काम करते हैं। आयुर्वेद डॉक्टर दीक्षा भावसार आपको कुछ ऐसे ही उपाय बता रही हैं।

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

सर्केडियन रिदम फास्टिंग

अपने खाने को बदलने और इसे बेहद कम कैलोरी वाला बनाने के बजाय आप सर्केडियन रिदम फास्टिंग का पालन कर सकते हैं। इसका मतलब होता है कि आप दिन के उजाले के दौरान, सूर्योदय और सूर्यास्त के बीच खा सकते हैं। सूर्योदय से सूर्यास्त तक भोजन करने का अर्थ है कि आप 12 घंटे भोजन करते हैं और अन्य 12 घंटे उपवास करते हैं। जैसे, आप सुबह 7–8 बजे नाश्ता करते हैं और रात का भोजन 7–8 बजे तक करते हैं। आप रात के खाने से लेकर अगले दिन के नाश्ते तक पानी के अलावा कुछ भी नहीं खाते–पीते उपवास करते हैं। यह आपके शरीर को आपके द्वारा खाए जाने वाली हर चीज को पचाने में मदद करता है और वह सब कुछ बाहर निकाल देता है जो अनावश्यक है।

खूब पानी पिएं

पर्याप्त मात्रा में पानी पीने से भूख को दबाने में मदद मिलती है। पर्याप्त पानी पीना आपके शरीर को डिटॉक्सीफाई करने का सबसे अच्छा तरीका है। यह पाचन को बेहतर करता है। कम पानी के सेवन से कब्ज, निर्जलीकरण हो सकता है जो हार्मोन को असंतुलित कर सकता है और वजन बढ़ा सकता है। वसा घटाने के लिए गर्म पानी सबसे अच्छा है।

इन तरीकों से कम करें वजन

फिजिकल एक्टिविटी से पूरे शरीर में रक्त परिसंचरण में सुधार करने में मदद करता है और शरीर की सभी कोशिकाओं को पर्याप्त पोषण और ऑक्सीजन मिलता है। गहरी सांस दिमाग को शांति प्रदान करता है और आपको मन लगाकर खाने में मदद करता है। मन लगाकर खाने से आप कभी भी अपने शरीर की आवश्यकता से अधिक या कम नहीं खाते हैं।

अच्छी नींद लेना

नींद शरीर से अतिरिक्त चर्बी को कम करने का सबसे अच्छा तरीका है। रात 10 बजे तक सोने से लीवर डिटॉक्स होता है क्योंकि रात 10 बजे से 2 बजे तक पित्त प्रमुख समय होता है जिससे जल्दी वजन कम होता है – खासकर अगर आपने जल्दी रात का खाना खाया हो – तो शाम 7–8 बजे से तक पहले।

चीनी, डीप फ्राइड और प्रोसेस्ड फूड से करें तौबा

इन खाद्य पदार्थों से परहेज करने से आपके लीवर पर कम दबाव पड़ेगा जिससे बेहतर पाचन और डिटॉक्स में मदद मिलेगी। यह आपके आंत में सूजन को भी कम करता है जिससे यह आपके द्वारा खाए जाने वाले खाद्य पदार्थों से पोषक तत्वों को अवशोषित करने में मदद मिलती है।

थायराइड रोग का शर्तिया इलाज हैं किचन की ये चीजें

कई अलग–अलग जीवनशैली कारकों के कारण आज दुनियाभर में बहुत से थायराइड रोग से पीड़ित हैं। पुरुषों की तुलना में महिलाओं में थायराइड की समस्या होने की संभावना अधिक होती है। थायराइड एक ग्रंथि है जो गर्दन के सामने larynÛ के नीचे होती है। चयापचय दर को कंट्रोल करने के अलावा थायराइड का काम पाचन, मांसपेशियों पर कंट्रोल, दिमाग के स्वास्थ्य और विकास को बनाए रखना, हड्डियों को मजबूती देना और यहां तक कि मूड को नियंत्रित करना है। शरीर के बाकी हिस्सों में स्वास्थ्य और संतुलन बनाए रखने के लिए थायराइड को स्वस्थ रखना महत्वपूर्ण है। दरअसल थायराइड शरीर में सभी हार्मोन के उत्पादन के लिए जिम्मेदार है। तीन हार्मोन हैं जो थायराइड पैदा करता हैः थायरोक्सिन और ट्राईआयोडोथायरोनिन को आमतौर पर थायराइड हार्मोन के रूप में जाना जाता है, और कैल्सीटोनिन जो कैल्शियम लेवल को कंट्रोल करने में मदद करता है। यदि थायराइड इन हार्मोनों का पर्याप्त मात्रा में उत्पादन नहीं कर रहा है।

आयुर्वेद डॉ. ने बताया हो सकते हैं इस बीमारी के शिकार

आयुर्वेद में मनुष्य के स्वस्थ जीवन और प्रसन्न चित के लिए कई नियम धर्म दिए गए हैं। जिन्हें फॉलो करके व्यक्ति निरोग और ऊर्जा युक्त होकर अपना जीवन जी सकता है। इसे पढ़े लिखे लोगों से ज्यादा बेहतर तरीके से घर के बड़े बुजुर्ग समझते हैं। कई बार आपने उन्हें कुछ नियमों को दोहराते सुना होगा जैसे कि – देर रात तक जगना नहीं चाहिए, खाली पेट नहीं सोना चाहिए, सुबह नहा कर ही खाना चाहिए। अगर आप इन्हें अब तक हल्के में लेते आ रहे थे तो बहुत बड़ी गलती कर रहे थें। खुद आयुर्वेद विशेषज्ञ डॉ अपर्णा पद्मनाभनी ने इंस्टाग्राम पर शेयर किए गए एक पोस्ट में खाने के बाद नहाने की आदत को गलत बताया है। उन्होंने लिखा कि खाने के बाद नहाना अस्वस्थ्य क्रियाओं में से एक है। आयुर्वेद भी इसे गठिया से लेकर त्वचा रोग के लिए मुख्य ट्रिगर मानता है। विशेषज्ञ बताती हैं कि रिसर्च के अनुसार खाना खाने के बाद हमारे शरीर का तापमान 2 डिग्री तक बढ़ जाता है। इससे खाना पचाने में आसानी होती है। जब पेट में पाचन क्रिया चल रही होती है तो इस ओर ब्लड का फ्लो भी तेज हो जाता है।

ताकि एक ही साथ गर्भवती मां और बच्चे को डायबिटीज न हो

गर्भावस्था हर महिला के लिए एक खास अहसास होता है। इस दौरान शरीर में कई तरह के बदलाव आते हैं। कई बार तो यह बदलाव कुछ गंभीर बीमारियों को भी जन्म दे देते हैं। उन्हीं बीमारियों में से एक जेस्टेशनल डायबिटीज भी है। जेस्टेशनल डायबिटीज एक ऐसी स्थिति है, जिसमें गर्भावस्था के दौरान महिलाओं का ब्लड शुगर लेवल बढ़ जाता है। गर्भावस्था के दौरान पहली बार इसका निदान किया जाता है। जेस्टेशनल डायबिटीज अक्सर हाई ब्लड शुगर का कारण बनती है, जिससे आपकी गर्भावस्था और बच्चे का स्वास्थ्य बुरी तरह से प्रभावित होता है। हालांकि गर्भावस्था के दौरान स्वस्थ आहार खाने, व्यायाम करने और जरूरी हो तो दवा लेने से जेस्टेशनल डायबिटीज को नियंत्रित करने में मदद मिल सकती है। वैसे तो बच्चे को जन्म देने के बाद जेस्टेशनल डायबिटीज की समस्या दूर हो जाती है। लेकिन अगर आप पहले से ही जेस्टेशनल डायबिटीज से ग्रसित हैं, तो आपको टाइप–2 डायबिटीज होने की संभावना ज्यादा है। 28 मई को इंटरनेशनल विमेंस हेल्थ डे मनाया जाएगा। चूंकि यह स्वास्थ्य स्थिति एक ही बार में मां और बच्चे दोनों के लिए गंभीर बीमारी का कारण बनती है, इसलिए इसके लक्षणों को बेहतर ढंग से समझना जरूरी है।

नीलामी में नहीं मिला था खरीददार

मध्य प्रदेश के बल्लेबाज रजत पाटीदार में आईपीएल की नीलामी में किसी टीम ने नहीं खरीदा था। बैंगलोर के बल्लेबाज लवनीत सिसोदिया चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गए थे। जिसके बाद फ्रेंचाइजी ने रजत पाटीदार को अपने साथ जोड़ा। रजत पाटीदार ने कहा, कुछ दिमाग में नहीं चल रहा था और ना ही प्रेशर था। लेकिन मुझे भरोसा था कि यहां से पार्टरशिप बनाता हूं तो टीम को अच्छी स्थिति में ला सकता हूं।

विराट कोहली भी हुए रजत पाटीदार के मुरीद

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) कोलकाता। रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर की टीम आईपीएल 2022 के क्वालिफायर–2 में पहुंच गई है। एलिमिनेटर में फाफ डु प्लेसिस की आरसीबी ने लखनऊ सुपर जायंट्स को 14 रन से हराया। बैंगलोर ने पहले खेलते हुए 207 रन बनाए। लखनऊ जवाब में 193 रन ही बना सकी। इस मैच में बैंगलोर के लिए युवा बल्लेबाज रजत पाटीदार ने 54 गेंदों पर 112 रनों की नाबाद पारी खेली। इसी पारी की वजह से आरसीबी 200 रन के पार पहुंच पाई। रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के पूर्व कप्तान विराट कोहली को रजत पाटीदार यह पारी भा गई है। मैच के बाद विराट ने इस युवा बल्लेबाज की जमकर तारीफ की। साथ ही उन्होंने दावा किया की रजत पाटीदार का नाम भविष्य में काफी बार सुना जाएगा। मैच के बाद पूर्व भारतीय कप्तान ने कहा, रजत पाटीदार वह नाम है, जिसे आप भविष्य में और भी बहुत बार सुनेंगे। मैं यह करना चाहता हूं कि मैंने कई प्रभावी पारियां देखी हैं। इतने सालों में दबाव में भी कई पारियां देखी हैं। लेकिन जैसा रजत ने आज खेला वैसी मैंने ज्यादा पारियां नहीं देखी। यह मैच ऐसा था, जहां मैं भी टेंशन महसूस कर रहा था।

आरसीबी के हनुमान को कैसे याद आई अपनी ताकत

क्रिकेट

रजत पाटीदार ने लखनऊ के खिलाफ 112 रनों की नाबाद पारी खेली

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

कोलकाता। आईपीएल एलिमिनेटर के बाद क्रिकेट फैंस के बीच सिर्फ एक ही नाम की चर्चा है– रजत पाटीदार। रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के इस बल्लेबाज ने लखनऊ के खिलाफ 112 रनों की नाबाद पारी खेली। उनकी इस पारी की वजह से टीम क्वालिफायर–2 में पहुंच गई है। 54 गेंदों की अपनी पारी में पाटीदार ने 12 चौके और 7 छक्के लगाकर अपनी टीम को 207 रन तक पहुंचा दिया। लेकिन करियर की शुरुआत में रजत पाटीदार को बल्लेबाज बनना ही नहीं था। वह तो गेंदबाज के रूप में खुद को देखते थे।

अंडर–15 के बाद बल्लेबाजी पर फोकसः 28 साल के रजत पाटीदार ने गेंदबाज के रूप में करियर की शुरुआत की थी। अंडर–15 के बाद उन्होंने बल्लेबाजी पर फोकस किया। 2014 में फुटबॉल खेलते

समय घुटने में चोट लगने के बाद उन्हें सर्जरी भी करानी पड़ी थी। वह 8 महीने मैदान से दूर रहे लेकिन इसके बाद सब कुछ बदल गया। सर्जरी के बाद वह एक अलग खिलाड़ी के रूप में वापस आए जो कुछ बड़ा हासिल करना चाहत था। बल्लेबाजी की टेक्निक को और बेहतर करने के लिए पाटीदार ने पूर्व भारतीय बल्लेबाज अमय खुरासिया से ट्रेनिंग ली। इसके बाद सब कुछ बदल गया।

मध्य प्रदेश के लिए खेलते हैं घरेलू क्रिकेटः रजत पाटीदर मध्य प्रदेश के लिए घरेलू क्रिकेट खेलते हैं। उन्होंने 2015 में डेब्यू किया था। आईपीएल में खेल चुके मध्य प्रदेश के तेज गेंदबाज ईश्वर पांडे का कहना है कि रजत पाटीदार उनकी टीम के लिए हनुमान की तरह है। इंडियन एक्सप्रेस से बात करते हुए ईश्वर पांडे ने कहा, रजत संकट–मोचन (हनुमान) है हमारी टीम का। वह पहले भी ऐसी पारियां खेल चुका है, लेकिन वे टीवी पर नहीं आई। इसी वजह से लोगों को उसके बारे में नहीं पता। अब उनसे बड़ी पारी खेल दी है और आरसीबी के लिए हनुमान बन गया है।

शमी–डिंडा की कर दी थी धुनाई ईश्वर पांडे ने बताया कि उनके सभी साथी खिलाड़ियों को पता था कि एक दिन रजत पाटीदार अपना नाम बना लेगा, जब उन्होंने रणजी ट्रॉफी में मोहम्मद शमी के खिलाफ उनकी बल्लेबाजी देखी थी। पांडे ने कहा, शजिस तरह से वह शमी और डिंडा को मार रहे थे, उस दिन हमने एक अलग ही क्लास देखी। उसके पास वह अतिरिक्त समय है। तब हमें पता था कि यह लड़का अपने लिए कुछ करेगा।

5 स्टार खिलाड़ियों ने ही डुबाई लखनऊ की लुटिया, टूर्नामेंट से होना पड़ गया बाहर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

मुबंई। आईपीएल 2022 में लखनऊ सुपर जायंट्स का सफर समाप्त हो गया है। एलिमिनेटर मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर ने लखनऊ को 14 रन से हराया। पहले खेलते हुए आरसीबी ने रजत पाटीदार के शतक की मदद से 207 रन बनाए। केएल राहुल की टीम 193 रन ही बना सकी। एक समय मुकाबला रोमांचक हो गया था, लेकिन अंतिम ओवर में शानदार गेंदबाजी के बूते बैंगलोर ने मुकाबले को अपने नाम कर लिया। हम आपको लखनऊ के चार स्टार खिलाड़ियों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिन्होंने अपनी टीम की लुटिया डुबा दी।

जेसन होल्डर के बाहर कर लखनऊ ने चमीरा को मौका दिया

था, लेकिन उन्होंने 4 ओवर में 54 रन खर्च किए। एक बार भी वह बल्लेबाजों को परेशान नहीं कर सके।

15 ओवर के बाद आरसीबी का स्कोर 123 रन ही था, 16 ओवर रवि बिश्नोई लेकर आए। इस ओवर में रजत पाटीदार ने तीन छक्के और दो चौके लगाए। यहीं से टीम की पारी का मोमेंटम बदल गया और आरसीबी 200 के पार पहुंचने में सफल हुई। कप्तान केएल राहुल ने 208 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए 58 गेंद (9.4 ओवर) खेले और 79 रन बनाए। इतनी बड़ी पारी खेलने के बाद भी वह अपनी टीम के लिए विलेन रहे। इसके साथ ही 2 रन के स्कोर पर उन्होंने दिनेश कार्तिक को जीवनदान दिया।

दीपक हुडा आईपीएल 2022 के सबसे बेहतरीन फील्डर में शामिल हैं। लेकिन 16वें ओवर में हुडा ने रजत पाटीदार का कैच छोड़ा। उस समय वह 72 रन बनाकर ही खेल रहे थे।

लखनऊ की टीम ने सलामी बल्लेबाज एविन लुईस को छठे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए भेजा। वहां तेज पारी की जरूरत थी, लेकिन उन्होंने 6 गेंदों पर सिर्फ दो रन बनाए।

केएल राहुल ने तोड़ा विस्फोटक क्रिस गेल का रिकार्ड, रचा इतिहास

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग के 15वें सीजन में नई टीम लखनऊ सुपर जायंट्स की कप्तानी करने उतरे केएल राहुल की टीम को एलिमिनेटर में हार मिली। रायल चौलेंजर्स बैंगलोर के खिलाफ कोलकाता के इडेन गार्डन्स मैदान पर टीम को 14 रन से हार मिली और उसके टूर्नामेंट जीतने का सपना टूट गया। इस मैच में कप्तान राहुल ने 79 रन की पारी खेले लेकिन टीम को जीत नहीं दिला पाए। लखनऊ की टीम ने एलिमिनेटर में टास जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी और आरसीबी ने रजत पाटीदार के तूफानी शतक के दम पर 207 रन का स्कोर खड़ा किया। जवाब में लखनऊ की टीम 20 ओवर में 6 विकेट पर 193 रन तक ही पहुंच पाई। 14 रन से मुकाबला हारने के साथ ही टीम आइपीएल के 15वें सीजन से बाहर हो गई। धमाकेदार फार्म में चल रहे राहुल ने पिछले तीन सीजन में लगातार 500 से ज्यादा रन बनाए हैं। इस सीजन में उनके नाम 15 मुकाबले के बाद 616 रन बनाए जिसमें दो शतकीय पारी शामिल रही।

न्यूज डायरी

आइपीएल में शतक का किंग है आरसीबी, सीएसके पांचवें नंबर पर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। आरसीबी की तरफ से आइपीएल 2022 का पहला शतक रजत पाटीदार ने लगाया। उन्होंने इस सीजन के एलिमिनेटर मुकाबले में लखनऊ सुपर जाइंट्स के खिलाफ गजब की पारी खेली और अपनी टीम की इस अहम मैच में जीत में बड़ी भूमिका निभाई। इस सीजन में बेशक आरसीबी की तरफ से पहला शतक लगा, लेकिन आइपीएल में ये इस टीम की तरफ से 15वां शतक रहा। आरसीबी इस लीग में सबसे ज्यादा शतक लगाने के मामले में पहले नंबर पर है। आइपीएल में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाली टीम आरसीबी है और अब तक इस टीम की तरफ से 15 शतक लग चुके हैं। वहीं इस लीग में जिस टीम की तरफ से सबसे ज्यादा लगाए गए हैं उसमें दूसरे स्थान पर पंजाब किंग्स हैं और इस टीम की तरफ से 13 शतक लगे हैं। तीसरे स्थान पर 12 शतक के साथ राजस्थान रायल्स तीसरे स्थान पर है। दिल्ली कैपिटल्स की तरफ से अब तक 10 शतक लगे हैं और वो चौथे स्थान पर है।

नो–बॉल दिए जाने पर भड़के केएल राहुल और क्रुणाल पंड्या

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) कोलकाता। आईपीएल 2022 में लगातार खिलाड़ी अंपायर के फैसले पर सवाल खड़े करते दिखे हैं। राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स के सहायक कोच प्रवीण आमरे मैदान पर आ गए थे, तो राजस्थान के कप्तान संजू सैमसन ने एक मुकाबले में वाइड पर डीआरएस लेने की मांग कर दी थी। अब लखनऊ सुपर जायंट्स और रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के बीच खेले गए एलिमिनेटर मुकाबले में भी ऐसा ही देखने को मिला। बैंगलोर की पारी के 12वें ओवर में दुष्मंथा चमीरा गेंदबाजी कर रहे थे। स्क्वायर लेग के अंपायर माइकल गॉफ ने चमीरा की एक गेंद को कमर के ऊपर फुल–टॉस के लिए नो–बॉल करार दिया। जिसके बाद गेंदबाजी छोर पर अंपायरिंग कर रहे जे मदनगोपाल ने नो–बॉल का संकेत दिया। नो–बॉल दिए जाने के बाद लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान केएल राहुल और उपकप्तान क्रुणाल पंड्या जे मदनगोपाल से बहस करने लगे। फुल टॉस नो–बॉल का फैसला स्क्वायर लेग अंपायर देता है, लेकिन राहुल और क्रुणाल नॉन स्ट्राइकर एंड पर खड़े अंपायर से बहस कर रहे थे।

नीरज चोपड़ा ने फैंस को दिया जैव रन चैलेंज, कैसे लें इसमें हिस्सा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। टोक्यो ओलिंपिक में भारत को एकमात्र गोल्ड मेडल दिलाने वाले जैवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा ने अपने फैंस को नया चैलेंज दिया है। फैंस नीरज के रन–अप की नकल करते हुए वीडियो बनाकर उनसे यूट्यूब शॉर्ट्स पर पोस्ट कर सकते हैं। इसे जैव रन चैलेंज नाम दिया गया है। चैलेंज में हिस्सा लेने वाले कुछ भाग्यशाली फैंस को नीरज चोपड़ा से मिलने का मौका मिलेगा। जैव रन चौलेंज के बारे में बात करते हुए नीरज ने कहा, यूट्यूब ने मेरी आंखों के सामने दुनिया के सर्वश्रेष्ठ भाला फेंकने वालों को लाने में मदद की, और मुझे उनसे सीखने का मौका दिया। यही कारण है कि यूट्यूब पर मेरा अपना चैनल है जो मेरे लिये एक विशेष उपलब्धि है और मैं इसके माध्यम से युवाओं को प्रेरित करना चाहता हूं।

अनकैप्ड भारतीय खिलाड़ियों के लिए यादगार रहा आइपीएल 2022

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग के 15वें सीजन का लीग स्टेज मैच खत्म हो चुके हैं। हर बार की तरह इस बार भी आइपीएल में कुछ युवा अनकैप्ड खिलाड़ियों ने अपने प्रदर्शन से इस आइपीएल को यादगार बना दिया। पहली बार आइपीएल खेल रहे तिलक वर्मा जिन्होंने अपनी बल्लेबाजी से अपनी एक अलग पहचान बनाई। सनराइजर्स हैदराबाद के लिए यह सीजन उतना खास नहीं रहा लेकिन इस सीजन में केन विलियमसन के खराब फार्म में होने के कारण बल्लेबाजी की जिम्मेदारी अभिषेक शर्मा ने संभाली।

हमारा दून

प्रदेश का विकास हमारी पहली प्राथमिकताः सीएम

रोड शो

■ सीएम धामी ने प्रचार में झोंकी पूरी ताकत, टनकपुर में किया रोड शो

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरुवार को टनकपुर में रोड शो किया। इसके बाद उन्होंने जनसभा को संबोधित किया। सीएम धामी ने जनता से समर्थन मांगते हुए प्रदेश के विकास को अपनी प्राथमिकता बताया। साथ ही उन्होंने कहा कि वह चंपावत के विकास में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे।

गुरुवार को टनकपुर में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शारदा चुंगी, प्रजापति धर्मशाला और मनिहारगोठ में रोड शो करने के बाद चुनावी सभा को संबोधित किया। उन्होंने टनकपुर बनबसा क्षेत्र को एक मॉडल के रूप में विकसित करने की बात कही।

इस मौके पर पूर्व विधायक केलाश गहतोडी, भाजपा के जिलाध्यक्ष दीप चंद्र पाठक, पालिका अध्यक्ष विपिन कुमार, पूर्व चेयरमैन हर्षवर्धन सिंह रावत, नारायण सिंह, सुभाष बगोली, पूरन महर, हरीश हैसियत, अमजद हुसैन, दीनदयाल अग्रवाल, विक्रम सिंह आदि मौजूद थे। चंपावत विधानसभा सीट का उपचुनाव 31 मई को होना है।

सीएम धामी आज टिहरी हाइड्रो डेवलपमेंट कारपोरेशन की जर्नी ऑफ टिहरी डैम कार्यक्रम में भी आज भाग लेंगे। इससे पूर्व बुधवार को सीएम धामी अपने पैतृक गांव हड़खोला पहुंचे थे। यहां पर उन्होंने अपने ईष्ट देवता हरिचंद के मंदिर में पूजा, अर्चना की।

शादी का झांसा देकर किया दुष्कर्म

संवाददाता देहरादून। शादी का झांसा देकर युवती के साथ बलात्कार करने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार चकराता रोड़ निवासी युवती ने कैण्ट कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी मुलाकात 4 महीने अंकुर तोमर निवासी देहरादून से हुई थी जिसने अपने आप को गैर शादीशुदा बताया और उससे वादा किया कि वह जल्द ही समाज के समक्ष उससे शादी करेगा। उसे झांसे में लेकर अंकुर तोमर ने जबरन उससे शारीरिक सम्बन्ध बनाये।

संक्षिप्त समाचार

सड़कों की बदहाली से नाराज हरीश रावत, नेशनल हाईवे पर दिया धरना

संवाददाता देहरादून। उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस वरिष्ठ नेता हरीश रावत गुरुवार को खराब सड़क के मुद्दे को लेकर नेशनल हाईवे पर धरने पर बैठ गए। हल्द्वानी हाईवे से गुजरते हुए सड़क पर मौजूद गड्ढों से परेशान होकर रावत अपनी कार से उतर गए और बीच सड़क पर बैठकर धरना देने लगे। हरीश रावत लालकुआं की ओर से आ रहे थे, जैसे ही वह बरेली रोड पहुंचे तो अपनी कार से उतरकर बीच सड़क पर जा बैठे। रावत ने नेशनल हाईवे ऑथोरिटी से गुहार लगाई है कि वह इस रास्ते को जल्द से जल्द सुधारें ताकि यहां से आने जाने वाले लोगों को गड्ढा मुक्त रास्ता नसीब हो सके।

पूर्ण सतगुरु की शरणागति होकर ईश्वर का साक्षात्कार करें: साध्वी आस्था भारती

संवाददाता देहरादून। दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान द्वारा वाराणसी, उत्तर प्रदेश में 'श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ' का भव्य आयोजन किया जा रहा है। यह कथा संस्थान द्वारा चलाए जा रहे सामाजिक प्रकल्प बोध को समर्पित है। गुरुदेव श्री आशुतोष महाराज जी की शिष्या भागवताचार्या महामनस्विनी विदुषी सुश्री आस्था भारती जी ने कथा के द्वितीय दिवस नन्हे भक्त ध्रुव की संकल्प यात्रा को बड़े ही मार्मिक ढंग से सुनाया।

एलजी ने गेम शिफ्टिंग तकनीक पेश की

संवाददाता देहरादून। भारत के अग्रणी कंज्यूमर ड्यूरेबल ब्रांड, एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स ने आज अपने बहुप्रतीक्षित 2022 ओएलईडी टीवी लाइनअप के उपलब्धता की घोषणा की सीईएस 2022 में इस ओएलईडी टीवी लाइनअप के अंदर उत्कृष्ट पिक्चर क्वालिटी, बेहतर प्रदर्शन और आकर्षक डिजाइन की व्यापक रूप से प्रशंसा की गई यह नए उत्पाद बेहद शानदार इमर्सिव दृश्यों के साथ अविश्वसनीय सीमलेस एक्सपीरियंस प्रदान करते हैं 2022 ओएलईडी लाइनअप के अंदर सबसे विस्तृत सीरीज पेश की गई है।

महिला मित्र से विवाद को अपहरण बता दौड़ाया पुलिस को

संवाददाता देहरादून। महिला मित्र से कार के अन्दर मारपीट करने के मामले को अपहरण का बता पुलिस को पूरी रात दौडा दिया। पुलिस ने कार बरामद कर आरोपी को गिरफ्तार कर लापरवाही से वाहन चलाने समेत अन्य धाराओं में मामला दर्ज कर लिया। उल्लेखनीय है कि गत रात्रि एक बेलोरो कार से युवती के अपहरण की सूचना मिलने से पुलिस विभाग में हडकम्प मच गया था। पुलिस ने पूरे शहर में चैकिंग अभियान चलाया इस दौरान वाहन को रोकने का भी प्रयास किया लेकिन वाहन चालक पुलिस वालों पर वाहन चढ़ाने का प्रयास करते हुए वाहन तेजी से भगा ले गया। देर रात पुलिस ने वाहन के नम्बर से वाहन स्वामी का पता लगा लिया।

दस दरोगाओं के तबादले

संवाददाता देहरादून। डीआईजी/एसएसपी देहरादून ने दस दरोगाओं के कार्यक्षेत्र में फेरबदल कर उनको तत्काल प्रभाव से अपना कार्यभार सम्भालने के आदेश दिये हैं। एसएसपी कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार डीआईजी/एसएसपी जन्मेजय खंडूडी ने गुरूवार को दस दरोगाओं का तबादला करते हुए जयवीर सिंह को चौकी प्रभारी डाकपत्थर से चौकी प्रभारी सभावाला के पद पर भेजा। इसके साथ ही अर्जुन गुसांई को चौकी प्रभारी मयूर विहार से चौकी प्रभारी डाकपत्थर, परवेश रावत को चौकी प्रभारी सभावाला से चौकी प्रभारी नालापानी, कमलेश कुमार गौड़ को चौकी प्रभारी नालापानी से चौकी प्रभारी बालावाला, विकेन्द्र कुमार को चौकी प्रभारी धर्मावाला से चौकी प्रभारी लालतप्पड, कविन्द्र को चौकी प्रभारी लालतप्पड से कोतवाली पटेलनगर, रजनीश सैनी को चौकी प्रभारी कुल्हाल से चौकी प्रभारी धर्मावाला, अमित को चौकी प्रभारी जोगीवाला से चौकी प्रभारी मयूर विहार व दीपक द्विवेदी को कोतवाली विकासनगर से चौकी प्रभारी जोगीवाला बनाया गया। सभी चौकी प्रभारियों को तत्काल प्रभाव से अपना कार्यभार सम्भालने के आदेश दिये गये।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक
प्रदीप चौधरी
द्वारा
एल.के प्रिटर्स,74/9,आराघर,देहरादून
से मुद्रित
व जाखन जोहड़ी रोड,
पी.ओ-राजपुर, देहरादून से प्रकाशित।
संपादकः प्रदीप चौधरी

सिटी कार्यालय:
शिवम् मार्केट, द्वितीय तल
दर्शनलाल चौक, देहरादून।

(M) 9319700701
pagethreedaily@gmail.com
आर.एन.आई.नं0
UTTHIN\2005\15735
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र देहरादून ही मान्य होगा।